Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 67 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

ज्ञान और वैराग्य से अपने आप की रक्षा होती है, लेकिन अज्ञान और राग तो हमारे लिये अभिशाप है।

While knowledge and detachment are protector of self but ignorance and attachment are curse for us.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निर्धारित गुणवत्ता से पौधे लगाने और पर्यवेक्षण के दिए हैं निर्देश

वन विभाग में वृक्षारोपण में अनियमितताएं, संबंधित अधिकारियों से 9.90 लाख रुपये की वसूली

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में वन विभाग द्वारा किए गए वृक्षारोपण कार्यों में अनियमितताएं पाए जाने पर राज्य सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। विभाग के अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कार्य में निर्धारित मापदंडों का पालन न करने और लापरवाही बरतने के मामले में असफल वृक्षारोपण पर हुए व्यय को शासन की वित्तीय क्षति माना है। कोरबा और राजनांदगांव वनमंडल के संबंधित अधिकारियों से इस अनियमितता के चलते 9 लाख 90 हजार 357 रुपये की वसूली की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम को प्रदेश में सफल बनाने के लिए निर्धारित गुणवत्ता के साथ पौधे लगाने एवं उसके पर्यवेक्षण के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य की जा रही है। इस तारतम्य में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वनबल प्रमुख द्वारा वर्ष 2023-24 में विगत वर्षो के वृक्षारोपण में मूल्यांकन के आधार पर असफल वृक्षारोपण से शासन को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से राशि वसूली की गई है।

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख छत्तीसगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरबा वनमंडल के वनपरिक्षेत्र अधिकारी और राजनांदगांव वनमंडल में संबंधित अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कार्य में लापरवाही बरती गई। इन मामलों में कुल 9 लाख 90 हजार 357 रुपये की वसूली की गई है। यह राशि उन अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों से वसूली गई है, जिन्हें वृक्षारोपण कार्य में अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार ठहराए गए हैं। कोरबा वनमंडल के तत्कालीन परिक्षेत्र अधिकारी परसखेत श्री योमनलाल ध्रुव से सौल्वा (ब) ऑरेंज एरिया कक्ष क्रमांक 1351 वृक्षारोपण में अनियमितता पाई गई, जिसके कारण उनसे 2 लाख 41 हजार 636 रुपये की वसूली की गई। इसी तरह राजनांदगांव वनमंडल के तत्कालीन परिक्षेत्र अधिकारी बाघनदी श्री बलदाऊ प्रसाद चौबे से कक्ष क्रमांक- आर.एफ. 595 रोपण में हुई अनियमितता के लिए 5 लाख 19 हजार 300 रुपये की वसूली की गई। इसके अतिरिक्त वन मंडल कोरबा के तत्कालीन परिक्षेत्र सहायक बाल्को श्री शमशुद्दीन फारूकी से 1 लाख 41 हजार 275 रुपये की वसूली की गई है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि वन विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करना आवश्यक है, और इस दिशा में सरकार कोई समझौता नहीं करेगी। इस पूरे मामले के मद्देनजर वन विभाग के अधिकारियों को सतर्कता बरतने और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है और वह इसे जड़ से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सरकार का बड़ा फैसला

अब अस्पतालों की सुरक्षा में तैनात होंगे हथियारबंद रिटायर्ड आर्मी जवान

रायपुर (आरएनएस)। कोलकाता में ट्रेनी महिला डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में देशभर में रोष प्रदर्शन किया जा रहा है और आरोपी को सख्त सजा देने की मांग की जा रही है। वहीं, अस्पतालों में सुरक्षा प्रबंधों को लेकर भी प्रशासन की ओर से अहम कदम उठाए जा रहे है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने सरकारी अस्पतालों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में अब हथियारबंद रिटायर्ड आर्मी के जवान तैनात किए जाएंगे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने राजधानी रायपुर के प्रमुख सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अस्पताल प्रशासन से सुरक्षा को और भी सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। गौर हो कि कोलकाता की घटना के बाद देशभर के डॉक्टरों ने सुरक्षा की मांग को लेकर हड़ताल की थी, जो सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद समाप्त हुई। डॉक्टरों द्वारा व्यक्त की गई सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, छत्तीसगढ़ सरकार ने अस्पतालों में रिटायर्ड आर्मी जवानों की तैनाती का निर्णय लिया है।

भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक शांति और समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर पहुंचे वाशिंगटन

दिल्ली (पीआईबी)। भारत और अमेरिका मिलकर एक ऐसी दुर्जेय ताकत बनते हैं, जो दुनिया में शांति, समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित कर सकती है। यह बात रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 22 अगस्त, 2024 को चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर वाशिंगटन पहुंचने के बाद भारतीय प्रवासियों से बातचीत करते हुए कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक सहयोगी हैं, जो नियति से मजबूत साझेदार हैं और यह सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व के तहत वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रय मंचों पर भारत की बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन आज उसकी बात पूरी दुनिया बड़े ध्यान से सुनती है। वर्ष 2014 से पहले भारत निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली द्वारा गढ़े गए नाजुक पांच देशों में से एक था, और आज भारत दुनिया की शानदार पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने इस फर्म की अभी हाल की रिपोर्ट का संदर्भ देते हुए कहा कि आज उसमें बताया गया है कि भारत वर्ष 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि कोविड-19 महामारी के बारे में सरकार की कार्रवाई ने यह सुनिश्चित किया कि अन्य देशों की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। राजनाथ सिंह ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपरलाने में सफल रही है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति पांच साल के निचले स्तर 3.54 प्रतिशत पर आ गई है और विदेशी मुद्रा भंडार 675 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री से सांसद एवं कवर्धा राजपरिवार की रानी श्रीमती कृति देवी ने की मुलाकात

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में त्रिपुरा राज्य के त्रिपुरा-पूर्व लोकसभा क्षेत्र की सांसद एवं कवर्धा राजपरिवार की रानी श्रीमती कृति देवी ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उनके पति कवर्धा राजपरिवार के राजा एवं पूर्व विधायक श्री योगेश्वरराज सिंह भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। एक्स पर साझा किए गए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर बेहद गर्व भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर सभी को बधाई। हम अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने देश की उपलब्धियों को बड़े गर्व के साथ स्मरण करते हैं। यह हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के योगदान की सराहना करने का भी दिवस है। अंतरिक्ष क्षेत्र को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने इस क्षेत्र से संबंधित कई भविष्योन्मुखी निर्णय लिए हैं और आने वाले समय में हम इस क्षेत्र में और भी अधिक कार्य करेंगे।

अनिल कुमार जदली ने एनटीपीसी के निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। श्री अनिल कुमार जदली ने 23 अगस्त 2024 को एनटीपीसी के निदेशक (एचआर) के रूप में कार्यभार संभाला है। उन्होंने 1993 में एक कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में एनटीपीसी में अपना करियर शुरू किया था। एक कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में अपनी साधारण शुरुआत से एनटीपीसी में मानव संसाधन कार्य के शीर्ष पद तक उनका पहुंचना उनके जुनून, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। उन्होंने गढ़वाल विश्वविद्यालय से कार्बनिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर किया है और एमडीआई, गुड़गांव से मानव संसाधन प्रबंधन में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। उन्हें ईएससीपी-ईएपी (पेरिस, बर्लिन और ट्यूरिन) से प्रबंधन और नेतृत्व प्रशिक्षण इनपुट भी प्राप्त हुए हैं।

उनका लाइन और एचआर दोनों कार्यों को शामिल करते हुए तीन दशकों से अधिक का शानदार करियर है। लगभग एक दशक तक लाइन फंक्शन में काम करने के बाद, उन्होंने 2004 में एचआर फंक्शन में काम करना शुरू कर दिया। 2004 के बाद से, उन्होंने एचआर प्रमुख सहित विभिन्न पदों पर एनटीपीसी की विभिन्न परियोजनाओं में एचआर के विभिन्न पहलुओं की देखभाल की। वह वर्ष 2020 में कॉर्पोरेट एचआर में चले गए, जहां उन्होंने विभिन्न एचआर रणनीतियों और पहलों के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वह पीएलएफ से पहले के लोग दर्शन में दृढ़ विश्वास रखते हैं। अपने समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, एनटीपीसी में एचआर आने वाले दिनों में नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से सरगुजा संभाग की छात्राओं ने की सौजन्य मुलाकात

छात्राओं ने इस सुनहरे अवसर के लिए मुख्यमंत्री श्री साय एवं प्रशासन के प्रति जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सरगुजा संभाग के सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर और बलरामपुर जिले की पांच छात्राओं ने रक्षाबंधन के अवसर पर सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बच्चों से शैक्षणिक और अन्य शालेय गतिविधियों की जानकारी लेकर उनका उत्साह वर्धन किया। उन्होंने सभी के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामना दी। सरगुजा संभाग के विद्यार्थियों ने इस अविस्मरणीय क्षण के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए विद्यार्थियों का चयन विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ खेल, संगीत तथा अन्य शालेय गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। चयनित विद्यार्थियों में सरगुजा से कस्तूरबा आवासीय विद्यालय लखनपुर की छात्रा ज्योति, जशपुर जिले से रिया एवं रजनी चौहान, सूरजपुर से नंदिनी किंडो और बलरामपुर जिले से प्रशंसा शामिल रहीं। राज्य शासन द्वारा सरगुजा संभाग के बच्चों के साथ प्रभारी के रूप में अधीक्षिका अनुराधा सिंह का चयन कर दिल्ली भेजा गया। राष्ट्रपति द्वारा छात्राओं से मुलाकात के दौरान उन्हें रक्षाबंधन की बधाई दी गई तथा छात्राओं से उनकी पढ़ाई और जीवन के लक्ष्य के बारे में जानकारी लेकर लक्ष्य प्राप्ति हेतु ईमानदारी से प्रयास का सुझाव दिया गया।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव से मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट ने शुक्रवार को विधायक देवेंद्र यादव से सेंट्रल जेल रायपुर में मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ क्ष्ट्ष्ट चीफ दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत मौजूद रहे। मुलाकात के बाद पायलट ने कहा कि बलौदाबाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। प्रशासन की नाकामी के कारण ऐसे हालत बने, सरकार समाज को सुरक्षा और संरक्षण नहीं दे पा रही है। आगे कहा की कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि सतनामी समाज, दलित समाज, आदिवासी समाज के लोगों को सरकार सुरक्षा नहीं दे पा रही है। बलौदाबाजार हिंसा मामले को नियंत्रण करने में सरकार नाकाम रहे। उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि भाजपा सरकार हिंसा की जांच के लिए जो कदम उठाना चाहिए वह नहीं कर पा रही है बल्कि कांग्रेस को टारगेट करने का काम कर रही है। विधायक से मिलने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा की बलौदाबाजार में जो हिंसा हुई उसे नियंत्रण करने में सरकार प्रशासन नाकाम रहे। जो हिंसा हुई उसकी जांच करने के लिए जो कदम उठाए जाने चाहिए थे उसके बजाय कांग्रेस को टारगेट करने का काम किया। और लगातार दूसरी बार जीते हुए विधायक नौजवान साथी देवेंद्र यादव जी को इस तरह अरेस्ट किया गया। जबकि वे पूछताछ में पूरा सहयोग कर रहे थे। बिना तथ्य के, बिना प्रमाण के उनके ऊपर तमाम तरीके की धाराएं लगाई गई। जबरदस्ती जेल में रखा गया है यह बहुत गलत उदाहरण सरकार पेश कर रही है।

स्व. कुंदन लाल जैन की स्मृति में 'राष्ट्र गौरव का पुनर्जागरण' विषय पर आयोजित होगी व्याख्यानमाला

राम जन्मभूमि, कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मंदिर केस के हिन्दू पक्ष के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन देंगे अपना उद्बोधन

25 अगस्त को रायपुर में लगेगा संघ का महाकुम्भ, स्व. कुंदन लाल जैन की स्मृति में होगा व्याख्यानमाला का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर महानगर के पूर्व संघचालक स्वर्गीय श्री कुंदन लाल जैन जी की पुण्य स्मृति में राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज सभागार में स्मृति विचार माला के द्वितीय पुष्प का आयोजन होने जा रहा है। श्री कुंदन लाल जैन स्मृति विचार मंच के बैनर तले आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में राष्ट्र गौरव का पुनर्जागरण विषय पर जैन समाज के गुरु पावन निश्रा परमपूज्य श्री विराग मुनिश्री जी, सुप्रीम कोर्ट के सुप्रिसद्ध अधिवक्ता श्री विष्णु शंकर जैन जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक डॉ. पुर्णेन्दु सक्सेना जी अपना उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम 25 अगस्त 2024, रविवार को आयोजित है। प्रातः 11:00 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में आधे घंटे का प्रश्नकाल रखा गया है। जिसमें उपस्थित गणमान्य जन अपने सवाल मुख्य अतिथियों से पूछ सकेंगे।

राष्ट्रभक्ति और सनातन की सेवा से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को राम जन्मभूमि, कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मंदिर केस के हिन्दू पक्ष के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन जी के ओजस्वी उद्बोधन को सुनने का अवसर मिलेगा। 9 अक्टूबर 1986 को जन्मे विष्णु शंकर जैन ने बचपन से ही अपने पिता श्री हरिशंकर जैन को हिंदू धर्म और सनातनी मूल्यों के लिए लड़ते देखा है। उन्होंने 2010 में अपनी कानून की पढ़ाई पूरी की और अपने पिता के सानिध्य में कानून का अभ्यास शुरू किया।

विष्णु शंकर जैन ने अपने करियर की शुरुआत अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मामले से की, इस मामले में अपने पिता श्री हरि शंकर जैन की सहायता करते हुए 2011 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती दी। 2016 में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड की परीक्षा पास की और 2016 में ही अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराई। ऐसे 102 मामले हैं जिनमें पिता-पुत्र में से कोई एक या दोनों हिंदू पक्षों की ओर से अदालत में पेश हुए। सबसे पुराना मामला 1990 का है। उनमें से कई मामले निर्णायक रूप से जीते गए हैं। कुछ अन्य पर अभी भी विभिन्न अदालतों में मामला चल रहा है। मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि का मामला उन प्रमुख मामलों में से एक है जिसमें वे हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ज्ञानवापी जैसे जटिल मामलों की लड़ाई भी विष्णु शंकर जैन लड़ रहे हैं। बता दें कि विष्णु शंकर जैन जी का आगमन कल सायं 07:00 बजे रायपुर के माना विमानतल में होगा।

गौरतलब है कि आदर्शवादी व्यक्तित्व, मातृभूमि को समर्पित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विचारों से ओत प्रोत माँ भारती के सपूत, रायपुर महानगर के पूर्व संघचालक स्वर्गीय श्री कुंदन लाल जैन जी का जन्म सन् 1947 में हुआ था। स्व. कुंदन लाल जैन जी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तृतीय वर्ष शिक्षित स्वयंसेवक थे। उन्होंने 2 वर्ष तक संघ में प्रचारक जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन किया। उन्होंने जीवनपर्यंत संघ द्वारा सौंपे गए विभिन्न दायित्वों का निष्ठा के साथ निर्वहन किया। वे उड़ीसा में रहने के दौरान प्रांत कार्यवाह स्व. कुंदन लाल जैन जी ने अपने सानिध्य में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का मार्गदर्शन एवं सहयोग किया। मिलनसार, सरल और सहयोगी व्यक्तित्व के कारण जो भी उनके संपर्क में आया उसने शांति और आनंद की अनुभूति प्राप्त की। स्व. कुंदन लाल जैन जी का पूरा संपूर्ण जीवन समाज के लिए प्रेरणादायी है। महान व्यक्तित्व के धनी स्वर्गीय श्री कुंदन लाल जी जैन के जीवन से प्रेरणा लेकर विभिन्न सामाजिक आयोजन इस मंच के माध्यम से समय-समय पर किए जा रहे हैं। 25 अगस्त को होने वाले इस महती कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

संक्षिप्त समाचार

नि:शुल्क जिला स्तरी आयुर्वेद आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आज, निशुल्क आयुर्वेद आयुष स्वस्थ शिविर

रायपुर (विश्व परिवार)। आयुष विभाग रायपुर एवं जमाअत ए इस्लामी हिंद, रायपुर के द्वारा अल-फलाह टावर बैरन बाजार में नि:शुल्क जिला स्तरीय आयुर्वेद आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 24 अगस्त को किया जा रहा है जिसमें आयुष पद्धति द्वारा विभिन्न प्रकार के पुराने एवम जटिल रोगों का उपचार किया जायेगा जैसे- मानसिक रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, दंतरोग, त्वचा रोग, चर्म रोग, नाक, कान, गला आदि रोगों का विशेषज्ञ आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा रोगों का उपचार एवं परामर्श दिया जाएगा और साथ ही आयुष काढ़ा, दर्द का तेल, पंचकर्म थैरेपी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी दवाइयां नि:शुल्क दी जाएगी। इस कैंप में आयुष विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम रहेगी जो मरीज का उपचार एवं परामर्श करेंगी। इस कैंप में महिला पुरुष बच्चे सभी इसका लाभ उठा सकते हैं महिलाओं के लिए अलग से जांच के व्यवस्था की गई है। आप सभी इस शिविर का लाभ उठाएं।

चरौदा में मना राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, बच्चों को दिखाए चंद्रयान-3 का मॉडल

आरंग (विश्व परिवार)। शुक्रवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में शिक्षकों ने बच्चों को चंद्रयान-3 का मॉडल को प्रदर्शित कर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की जानकारी दिए। शिक्षकों ने बच्चों को 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाये जाने के कारणों को बताते हुए भारत में गत वर्ष हुए चंद्रयान-3 के सफल लैंडिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दिए। साथ ही चंद्रयान-3 का माडल बनाकर प्रतीकात्मक रूप से चंद्रयान-3 का लैंडिंग होते हुए दिखाया गया।जो बच्चों के लिए बड़े ही आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही अंतरिक्ष व चंद्रयान-3 से संबंधित क्विज प्रश्नोत्तरी भी किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।इस अवसर पर संस्था प्रमुख के के परमाल, वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, अशोक कुमार चंद्राकर, सूर्यकांत चंद्राकर, दीनदयाल धीवर, डीलेश्वर साहू, शिक्षिका संगीता पाटले सहित बड़ी संख्या में बच्चों की उपस्थिति रही।

छत्तीसगढ़ में पहली बार मल्टीस्टार छत्तीसगढ़ी फिल्म आखिरी फैसला 13 को होगी रिलीज़

पोस्टर विमोचन रायपुर में 1 सितम्बर को, 4 सितम्बर 2024 को बिलासपुर में ओपन मीट

रायपुर (विश्व परिवार)। भाई भाई फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी छत्तीसगढ़ी फिल्म आखिरी फैसला जिसके मुख्य कलाकार रवि साहू है इस फिल्म में अपना जलवा बिखेरीगी बी.ए. फाइनल ईयर की हीरोइन दीक्षा जायसवाल एवं बी.ए. सेकेंड ईयर, की हीरोइन सोनाली सहारे इसके अलावा इस फिल्म में अमित चक्रवर्ती, तरूण देवांगन, गणपति देवांगन, पूजा टांडेकर, सिमरन देवांगन है। इस फिल्म की प्रस्तुति श्रद्धा सिनेमा प्रोडक्शन के द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म में बॉलीवुड के कलाकार दीपक सिर्क (प्रलयनाथ गेंडा स्वामी फेम) अब्दुल गफार खान जिन्होंने रामायण सिरियल में कुंभकरण का रोल अदा किया है। इस फिल्म की शूटिंग रायपुर, बिलासपुर, कोनी, रानीगांव, कोरबा, सतरेंगा में हुई है। बिलासपुर के लोकेशन हैप्पी स्ट्रीट, स्मृति यन, बिलासा ताल, बंधवा तालाब, सरकंडा पूल रोड, रेल्वे स्टेशन, बिलासा एयरपोर्ट, बस स्टैण्ड में किया गया है। रायपुर के नया रायपुर में इसकी शुटिंग हुई है।

शराब घोटाले पर कोर्ट के निर्णय पर भारतीय जनता पार्टी की बड़ी प्रेसवार्ता

निर्णय से कांग्रेस के घोटाले का हुआ पर्दाफाश, छत्तीसगढ़ को लूटने वाले नहीं बचेंगे : किरण देव

भाजपा के आंदोलन आज निष्कर्ष तक पहुंच रहे हैं : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

पूरे घोटालों के सरगना पूर्व सरकार के मुखिया है : विजय बघेल

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा है कि शराब घोटाले पर पिछले दिनों आए माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर के एक महत्वपूर्ण फैसले में कांग्रेस की तात्कालीन सरकार द्वारा किए घोटाले की कलई एक बार और खोल दी है। इस फ़ैसले से भाजपा द्वारा इन अपराधियों के विरुद्ध लगाए गए सभी आरोपों की एक बार फिर से पुष्टि हुई है। बिलासपुर उच्च न्यायालय में दायर याचिकाओं में छह याचिकाएं ईडी के खिलाफ, जबकि सात याचिकाएं ईओडब्ल्यू व एसीबी के खिलाफ दायर की गई थीं। श्री देव ने कहा कि न्यायालय ने ईडी, एसीबी, ईओडब्लू आदि की जांच आदि के काम में किसी भी तरह की अनियमितता के तमाम आरोपों को ख़ारिज कर दिया है, इससे यह एक बार फिर यह साबित हुआ है कि कांग्रेस अपने अपराधों को छिपाने के लिए लगातार एजेंसियों पर हमलावर थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज एफआईआर और विवेचना को चुनौती देते हुए अनिल टूटेजा, यश टूटेजा, अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी, निरंजन दास, नीतेश पुरोहित आदि द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गयी थी। कुल 13 याचिकाओं में दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में ईडी की पुन: की जा रही कार्रवाई और ईओडब्ल्यू व एसीबी की ओर से दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए उन्हें ख़ारिज करने की मांग की गई थी, जिसे एक साथ खारिज करते हुए अपने आदेश में उच्च न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि एक संगठित अपराध की तरह इस घोटाले को अंजाम दिया जा रहा था, ऐसा लग रहा है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र अग्रवाल की डिवीज़न बेंच ने अपने आदेश दिनांक 20 अगस्त, 2024 द्वारा आरोपियों द्वारा दायर सभी याचिकाओं को ख़ारिज कर यह टिप्पणी की गई है कि संबंधित एफआईआर के अवलोकन से, यह नहीं कहा जा सकता है कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई भी प्रथम दृष्टया अपराध का खुलासा नहीं किया गया है। इसके अलावा, जांच के दौरान एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि अभियुक्तों/याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए अपराधों की प्रकृति से राज्य के खजाने को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है और अपराध की अनुमानित आय लगभग रु. 2, 161 करोड़ है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने इस पूरे मामले की विस्तार चर्चा करते हुए कहा कि एफआईआर के अनुसार आबकारी विभाग की मुख्य जिम्मेदारियां शराब की आपूर्ति को विनियमित करना, जहरीली शराब की त्रासदियों को रोकने के लिए उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण शराब सुनिश्चित करना और राज्य के लिए राजस्व अर्जित करना है। लेकिन अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा के नेतृत्व वाले आपराधिक सिंडिकेट ने इन उद्देश्यों पर पानी फेर दिया है। ढेबर और टुटेजा ने शराब नीति को अपनी सनक और पसंद के अनुसार व्यवस्थित रूप से बदल दिया है और अपने लिए अधिकतम व्यक्तिगत लाभ उठाया है। चूँकि कांग्रेस शासनकाल में सीएसएमसीएल का प्रबंधन बदल गया और यह सिंडिकेट के हाथों में एक उपकरण बन गया, जिसने इसका इस्तेमाल समानांतर व्यवस्था को लागू करने के लिए किया। इस सिंडिकेट में राज्य के वरिष्ठ नौकरशाह, राजनेता, उनके सहयोगी और उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारी शामिल हैं। फरवरी, 2019 में, अरुणपति त्रिपाठी (आईटीएस अधिकारी) को सीएसएमसीएल का नेतृत्व करने के लिए सिंडिकेट द्वारा चुना गया था और बाद में, मई, 2019 में, अनवर ढेबर के आदेश पर उन्हें संगठन का प्रबंध निदेशक बनाया गया था। साजिश के हिस्से के रूप में, अरुणपति त्रिपाठी को मेसर्स सीएसएमसीएल द्वारा खरीदी गई शराब पर एकत्रित रिश्वत कमीशन को अधिकतम करने और सीएसएमसीएल द्वारा संचालित दुकानों के माध्यम से गैर-शुल्क भुगतान वाली शराब की बिक्री के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का काम सौंपा गया था। श्री देव ने कहा कि ईओडब्ल्यू की जांच के दौरान पता चला कि प्रदेश में एक आपराधिक सिंडिकेट काम कर रहा था जो शराब की बिक्री में अवैध कमीशन वसूल रहा था और सरकारी शराब की दुकानों के माध्यम से बेहिसाब शराब की अनधिकृत बिक्री में भी शामिल था। अनुमान है कि संदिग्धों द्वारा लगभग 2, 161 करोड़ रुपये की अपराध आय अर्जित की गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि उच्च न्यायालय ने माना है कि एफआईआर में नौकरशाहों, राजनेताओं, व्यापारियों और अन्य व्यक्तियों सहित 70 नामित व्यक्ति हैं और वर्तमान में यह एक संगठित अपराध का मामला है, जिसे जांच एजेंसियों द्वारा तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने की जरूरत है। राज्य पुलिस प्रतिवादी राज्य/एसीबी ईओडब्ल्यू या ईडी की कोई भी कार्रवाई पीएमएलए के किसी भी प्रावधान के उल्लंघन या सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित किसी भी आदेश का उल्लंघन नहीं पाया गया है। न्यायालय ने साफ-साफ यह कहा है कि ईडी, ईओडबलू और एसीबी ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र के अनुसार ही इस पर अलग-अलग कार्रवाइयाँ की है। न्यायालय ने यह भी कहा है कि सवाल केवल शराब घोटाले का ही नहीं है। इसी तरह कोयला घोटाले से लेकर हाल के बलौदाबाजर उपद्रव तक, जिसमें आरोपी कांग्रेस विधायक की जमानत याचिका भी खारिज करते हुए देवेंद्र यादव को सात दिन के न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इससे पहले तात्कालीन मुख्यमंत्री की करीबी अफ़सर सौम्या चौरसिया पर तो सर्वोच्च अदालत ने ज़मानत मांगने पर उल्टे एक लाख रुपया का जुर्माना भी लगा दिया था। यह साबित करने के लिए इससे अधिक पुख़्ता और क्या-क्या साक्ष्य चाहिए कि कांग्रेस की तात्कालीन सरकार ने अपने सिपहसालरों के माध्यम से जमकर न केवल छत्तीसगढ़ को लूटा बल्कि पूरी कांग्रेस सरकार एक अंडरवर्ल्ड और माफिया जैसा चल रही थी।

श्री विजय बघेल ने कहा कि एक मोटे आकलन के अनुसार पचास हज़ार करोड़ से अधिक का घोटाला अपने पांच सालों के शासन में कांग्रेस ने किया। इसके सरग़ना निस्संदेह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थे, जिन्हें एजेंसियों ने 'पोलिटिकल मास्टर' कहा है। प्रदेश की जनता के संसाधनों को लूट कर 10, जनपथ का एटीएम बनाने की सजा कांग्रेस को अवश्य मिलेगी। कोई भी हथकंडा कांग्रेसी अपराधियों को बचा नहीं सकती है। कांग्रेस लाख अराजकता फैलाने की साजिशें रच ले, किंतु क़ानून के हाथ इनके गिरेबाँ तक पहुँचे बिना नहीं रहेंगे। जनता को न्याय दिलाने, उनके संसाधनों को लूटने वालों कोजेल के सीखचों के पीछे पहुँचने से जॉर्ज सोरोस या राहुल गांधी समेत दुनिया को कोई ताक़त उन्हें रोक नहीं सकती। श्री देव ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार विश्व की शायद एकमात्र सरकार थी जिन्होंने अपने राजस्व पर संगठित तरीके से डाका डाला। भाजपा महिला मोर्चा ने मई 2023 में इस मामले को लेकर पूरे प्रदेश में चक्का जाम भी किया था।

पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, प्रदेश महामंत्री भारत लाल वर्मा, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन शूटिंग प्रतियोगिता का समापन

ये खेल न जितने के लिए जरुरी हैं न हारने के लिए जरुरी हैं, जिंदगी एक खेल हैं इसीलिए इसको खेलना जरुरी हैं : टंकराम वर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के तत्वाधान में छग राइफल एसोसिएशन द्वारा निशानेबाजी प्रतियोगिता माना के शूटिंग रेंज में आयोजित की गयी,स्पर्धा में 385 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया,छ ग के मुख्यत: सभी जिलों से आये शूटर्स ने अपनी शूटिंग से सबका ध्यान अपनी ओर खिंचा यह प्रतियोगिता हर वर्ष जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड द्वारा आयोजित की जाती हैं 13 अगस्त से शुरू हुई इस चैंपियनशिप का समापन 23 अगस्त को खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा द्वारा किया गया। टंकराम वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए प्रदेश के खिलाडी को अंतर्राष्टीय स्तर पर खेलने के लिए प्रोत्साहित किया साथ द्धद्व जिंदल स्टील को भी इस आयोजन के लिए बधाई दी एवं जो प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में आगे नहीं जा सके उनको उनके लिए प्रतियोगिता में भाग लेना ही एक एक उपलब्धि बताया।

वही प्रधानमंत्री की खेलो इंडिया योजना का भी जिक्र जहा खेल गतिविधि को आगे बढ़ाने के लिए खेल अलंकरण समारोह जो की बंद हो चुका था उसे पुन: शुरू करने के भी बात कही

इस बार 385 इस प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमे 115खिलाडी ने मावलंकर में अपनी जगह बनायीं इस प्रतियोगिता में अलग अलग श्रेणी में 50 मीटर राइफल,10 मीटर पिस्टल ,राइफल 25 मीटर और एयर तथा सेण्टर फायर पिस्टल के इवेंट हुए जिसमे सबसे अच्छे खिलाडी के श्रेणी में रहे फ़ैज़ा मेमन गोल्ड मैडल, सौम्या बनर्जी - 50मीटर राइफल प्रोन गोल्ड मैडल, हरमन सेंडो - 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल गोल्ड मैडल, कमल प्रीत सिंह-25 मीटर पिस्टल गोल्ड मैडल, वैभव अग्रवाल -25 मीटर पिस्टल गोल्ड मैडल, कार्तिक सिंघदेव-50 मीटर राइफल 3 पोजीशन गोल्ड मैडल। भक्तिशक्ति चंद्र- 10मीटर एयर पिस्टल-गोल्ड मैडल, अनुप्रिया ब्रोंज ,अवनि -ब्रोंज।

इन सभी खिलाड़ियो ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया- समापन समारोह में छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी श्री राकेश गुप्ता ,जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के वाइस प्रेजिडेंट श्री यु पी सिंघ विशिस्ट अतिथि -श्री विवेक शर्मा संचालक सैनिक कल्याण बोर्ड एवं अधिकारीगण मौजूद रहे।

नवापारा के सरकारी अस्पताल में दो दिन में हुई तीन डिलिवरी

नवापारा-राजिम (विश्व परिवार)। नवापारा के सरकारी अस्पताल में दो दिन में तीन डिलिवरी सफलतापूर्वक कराया गया। यह जानकारी देते हुए सीएचसी के प्रभारी चिकित्सक डॉ तेजेंद्र साहू ने बताया कि बुधवार को दोपहर 12:30 बजे वार्ड नं 11 के ष्व संध्या-राजकुमार साहू उम्र 25 वर्ष एवं वार्ड क्रमांक 21 के सरिता हेमंत साहू उम्र 25 वर्ष व गुरूवार-को ग्राम लखना के लक्ष्मी-बबला निषाद उम्र 20 वर्ष का डिलिवरी कराया गया। सफलतापूर्वक कराए गए इस डिलिवरी में जच्चा और बच्चा दोनो स्वस्थ है। डॉक्टर साहू ने बताया कि डिलिवरी कराने के लिए डॉक्टर गुरप्रीत कौर, आलोक चंद्राकर और वे स्वयं मौजूद थे। डॉक्टर साहू ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में प्राय: लोग डिलिवरी के लिए निजी नर्सिंग होम और प्रायवेट अस्पतालो कों चुनते है। भले ही वहां डिलिवरी ऑपरेशन से होता हो जिसमें 40 से 50 हजार रूपए लग जाता है। सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए वे स्वयं और उनका पूरा स्टॉफ दिलोजान से लगा हुआ है। कोई भी नवापारा के सरकारी अस्पताल किसी भी समय पहुंच सकते हैं। यहां सरकार द्वारा सभी सुविधाएं उपलब्ध कराया गया है। चाहे आधी रात हो कोई भी पेसेंट फोन कर सकता है। फोन आने पर महिला चिकित्सक सहित स्टाफ नर्स मिनटो में हाजिर हो जाएंगे। किसी भी प्रकार से किसी भी पेसेंट को कोई परेशानी नही होगी। पूरी तरह से सुरक्षात्मक ईलाज और डिलिवरी की व्यवस्था यहां चौबीस घंटे होगी। सरकारी अस्पताल के प्रति लोगो में विश्वास बढ़ रहा है।

उन्नत भारत अभियान द्वारा समर्थित कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा कमल के रेशे से धागे के उत्पादन पर एक महीने के प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के सहयोग से कमल के रेशे से धागे के उत्पादन पर केंद्रित एक महीने के प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया। नया रायपुर के कोटनी गांव के सामुदायिक भवन में आयोजित इस कार्य का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को कमल के धागे के उत्पादन के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। कमल का धागा एक अद्वितीय, हस्तनिर्मित, गैर-मशीनीकृत रेशा है, जो अंतर्राष्टीय फैशन बाजार में अत्यंत लोकप्रिय हो रहा है।

उन्नत भारत अभियान, ग्रामीण विकास में परिवर्तनकारी बदलाव के दृष्टिकोण से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों की विशेषज्ञता का लाभ उठाना है। यूबीए के प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत समर्थित यह परियोजना ग्रामीण उत्थान और हथकरघा क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए समर्पित है। कमल के रेशे से धागा बनाने में अभिनव प्रयोग, उद्योग में एक महत्वपूर्ण सफलता का प्रतिनिधित्व करता है।

कमल के धागे के उत्पादन की प्रक्रिया पूरी तरह से मानवकृत है, इसमें कोई मशीनरी शामिल नहीं है। परिणामी धागा नाजुक, हल्का और हवादार है, जो केवल 130 ग्राम धागे से लगभग 2 मीटर कपड़ा देता है। लोरो पियाना और गुच्ची जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध फैशन ब्रांड पहले से ही इस कपड़े की क्षमता को पहचान चुके हैं और इसे एक विशेष एक्वा फैब्रिक के रूप में प्रचारित कर रहे हैं। इस परियोजना का उद्देश्य कमल फाइबर धागे को छत्तीसगढ़ राज्य के एक प्रमुख उत्पाद के रूप में स्थापित करना है, जो कमल कि खेती के लिए तालाबों और आर्द्रभूमि से समृद्ध राज्य है।

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रायपुर, दिनांक 21/08/2024

रा.प्र.क. /202408110200054/3-6/ वर्ष 2023-24 ग्राम- पंडरीतराई, प.ह.नं.- 09/47

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक शांति विजय कंस्ट्रक्शन कम्पनि द्वारा पार्टनर 01. जय कुमार जैन पिता कस्तुर चंद जैन, 02. जयंत जैन पिता जय कुमार जैन दोनो निवासी चौबे कालोनी रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक द्वारा ग्राम पंडरीतराई प.ह.नं. 109/47, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 25, भूखण्ड क्रमांक 65/4, रकबा 7500 वर्गफुट भूमि को विक्रेतागण 01. जसवीर सिंह पिता थम्मन, 02. सुविन्दर सिंह पति जसवीर सिंह दोनो वर्तमान पता पंडरीतराई, न्यू शांति नगर रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 20.02.2024 के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर अपने नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 09/09/2024 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 21/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(मुहर) तहसीलदार रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.)

छ.ग.गृ.नि.मं.

फोन नंबर-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल आवास योजनांतर्गत सेजबहार, रायपुर में भवन क्रमांक- एल.आई.जी.-1055, श्री अरविन्द उपाध्याय पिता श्री विनोद भूषण उपाध्याय, पता:- ईई नगर निगम, हेड ऑफिस, मालवीय रोड, रायपुर (छ.ग.) के नाम पर भवन 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के आदेश क्रं. 6217 दिनांक 09.11.2006 द्वारा आबंटित है, उक्त भवन को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना है। अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को भवन का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-3, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
-:मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....13787..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 7/2002
दिनांक 20-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13787

वार्ड का नाम 39 स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR717B00307 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RADHEGOPAL AGRAWAL पिता / पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती ज्योति अग्रवाल पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. राधेगोपाल अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र. एवं मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे | निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। " सूचना जारी करे "

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर) जोन (7)
नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
-:मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....13856..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 7/2002
दिनांक 20-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13856

वार्ड का नाम 39 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715D00316 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SATYANARAYAN AGRAWAL पिता / पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती कैलाश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल पिता / पति श्री/श्रीमती सत्यनारायण अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र , दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / अपंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी | जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे "

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर) जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
-:मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....13855..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 7/2002
दिनांक 20-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13855

वार्ड का नाम - 24- सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR818A00110 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KALESHWAR, VIKRAM, PARDESHI, PANCHU, INDRA JANGHEL पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती राम बाई जंघेल पति स्व. विक्रम जंघेल, गनेशिया पति स्व. ओमप्रकाश, ना. बा. करण जंघेल, ना. बा. चुलबुली जंघेल पिता स्व. ओमप्रकाश जंघेल वली माँ गनेशिया जंघेल पिता / पति श्री/श्रीमती ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

" सूचना जारी करे "
श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन (7) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....13954..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2002
दिनांक 23-08-2024

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 13954

वार्ड का नाम - 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652G00939 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MOHAMMAD HASRAT ALI पिता/पति श्री श्रीमती ABDUL HAMID के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती ANVARUNISHA MUSALMAN पिता / पति श्री/श्रीमती W/O HANIF KHAN MUSALMAN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "

(जोन कमिश्नर)
जोन (6) नगर पालिक
निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :-
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं /....13617..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 10/2002
दिनांक 13-08-2024

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 13617

वार्ड का नाम 49 - गुरु घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR344F00151 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KISHORE KUMAR MAKHIJA पिता / पति श्री/श्रीमती LT. MOOLCHAND MAKHIJA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री योगेश सिंह राजपूत पिता / पति श्री/श्रीमती पिता श्री हरी सिंह राजपूत ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन (10) नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :-
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं /....13692..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 10/2002
दिनांक 13-08-2024

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 13692

वार्ड का नाम - 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652R00403 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती VIJAY LAXMI PANDEY पिता / पति श्री/श्रीमती VIJAY SHANKAR PANDEY के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री विजय शंकर पाण्डेय पिता / पति श्री/श्रीमती पिता श्री स्व. श्री राम प्रभाव पाण्डेय ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी | जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन (10) नगर पालिक
निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024

कलेक्टर से जो मिले थे हाथ, आज उन्हीं हाथों से ब्लैक बोर्ड पर चल रही चाक

पहाड़ी कोरवा छात्रा छतकुंवर अब बन गई है शिक्षिका

तत्कालीन कलेक्टर पी दयानंद ने घर जाकर पढ़ाई के लिए किया था प्रेरित

वर्तमान कलेक्टर अजीत वसंत ने दी नौकरी

कोरबा(विश्व परिवार)। बात आज से ठीक आठ साल पहले की है। तारीख थी एक जुलाई और दिन था शुक्रवार का। घड़ी में यूं ही कोई सुबह के 11 बजे थे। कोरबा जिले के तत्कालीन कलेक्टर श्री पी दयानंद अचानक कोरबा ब्लॉक के एक गांव आंछीमार पहुंच गए। यहां एक झोपड़ी में आकर चारपाई में बैठते हुए विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवाओं की समस्याओं से रूबरू हुए। समाज को शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर आगे बढ़ने की अपील करने के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि इस गांव में रहने वाली पहाड़ी कोरवा छतकुवंर गांव में सबसे ज्यादा पढ़ी है और अब वह कॉलेज में आगे पढ़ाई करने जाने वाली है। पी दयानंद पहाड़ी कोरवा छात्रा के घर पहुंचे और उन्होंने बताया कि वे कलेक्टर है और उनसे मिलने आए हैं तो छतकुंवर और उसके परिवार को पहले तो भरोसा नहीं हो रहा था। कुछ देर बाद पहाड़ी कोरवा छात्रा छतकुंवर और उनका परिवार कलेक्टर को अपने घर पाकर खुश हो गए। इसी दौरान छात्रा छतकुंवर ने हाथ बढ़ाते हुए कहा हैलो सर आप कलेक्टर है और उन्होंने कलेक्टर से हाथ मिलाकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस किया। छात्रा छतकुंवर ने अपनी सम्पूर्ण परिस्थितियों को बताते हुए नौकरी के संबंध में चर्चा की, तब कलेक्टर पी दयानंद ने उनसे कहा था कि आप अभी अपनी पढ़ाई जारी रखे, अपने समाज में सबसे ज्यादा पढ़ाई करने वाली बनें और अन्य बच्चों का प्रेरणास्रोत बनें, शासन-प्रशासन का पूरा सहयोग रहेगा और एक दिन नौकरी अवश्य मिलेगी। कलेक्टर की इस बात को सुनकर छतकुवंर ने तब नौकरी की लालसा त्याग दी और ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। आखिरकार पहाड़ी कोरवा छतकुंवर आज स्कूल में नौकरी कर रही है। वह कभी किताबों को साथ लेकर क्लास रूम में बच्चों को पढ़ा रही है तो कभी ब्लैकबोर्ड में चाक चलाकर अपनी विषम परिस्थितियों का साक्षात उदाहरण बनकर समाज का नाम रौशन कर रही है। कोरबा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत करूमौहा अंतर्गत आश्रित ग्राम आंछीमार की रहने वाली पहाड़ी कोरवा छतकुंवर को हाल ही में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ से सहायक शिक्षक के रूप में नौकरी दी गई है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने छतकुवंर सहित अन्य पीवीटीजी को उनकी योग्यता के अनुसार जिले के स्कूलों सहित स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यकतानुसार नियुक्ति दी है। इस नियुक्ति की कड़ी में पहाड़ी कोरवा छतकुंवर को भी नौकरी मिली है। करतला ब्लॉक के शासकीय माध्यमिक शाला नोनबिर्रा में शिक्षिका के रूप में अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन करते हुए छतकुंवर अपने बीते दिनों को याद कर भावुक हो जाती है। विषम परिस्थिति में एक गरीब परिवार में पली-बढ़ी वह कहती है कि उन्हें खुशी है कि एक कलेक्टर ने घर आकर उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और एक कलेक्टर ने उन्हें स्कूल में पढ़ाने की जिम्मेदारी दी है। छतकुवंर का कहना है कि पहाड़ी कोरवा समाज अभी भी बहुत पिछड़ा हुआ है। समाज के कुछ लोग ही पढ़ाई कर पाये हैं, उन्हें नौकरी दिए जाने से जो पिछड़े हुए हैं उन्हें भी प्रेरणा मिल रही है।

देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक षड़यंत्र का हिस्सा : विनोद चंद्राकर

महासमुंद(विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी को राजनीतिक षड़यंत्र बताते हुए भाजपा सरकार की विफ्लता व तानाशाही पूर्ण कार्रवाई कहा है। श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा भिलाई विस क्षेत्र में अपनी हार को पचा नहीं पा रहे हैं। इसलिए झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाकर श्री यादव को परेशान किया जा रहा है। गत दिनों हुए समाजिक सभा में उनके निमंत्रण पर श्री यादव कुछ समय के लिए जनता के बीच नीचे बैठे हुए थे। वे उपर मंच तक भी नहीं गए थे। जो आरोप श्री यादव पर लगाए गए हैं, वह बेबुनियाद तथा आधारहीन है। श्री यादव को गिरफ्तारी के दौरान एफ्आईआर की कॉपी नहीं दी गई, जो भी नोटिस दिया गया वह कानूनी धारा 160 के तहत दिया गया है। जो गवाही की नोटिस होती है। गवाही लेने की बात कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। विधायक देवेंद्र यादव को धोखा देकर के गिरफ्तार किया गया है। यह विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश है। श्री चंद्राकर ने कहा कि बलौदाबाजार की घटना ने पूरे प्रदेश के लोगों के मन में भाजपा सरकार की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। प्रशासन इस घटना की निष्पक्ष जांच कराने में पूरी तरीके से असमर्थ रही है। जनता के सवालों के दबाव में आकर सरकार ने अपनी विफ्लता को छिपाने के लिए विधायक देवेंद्र यादव को गिरफ्तार कराया है। बलौदाजार जैसी गंभीर घटना के लिए किसी भी वरिष्ठ अधिकारी या मंत्री को अभी तक जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। समय रहते यदि समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले इस कृत्य के असली आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाता तो बलौदाबाजार जैसी घटना की परिस्थिति ही उत्पन्न नहीं होती। बाबा गुरू घासीदास के बताए शांति व सद्भावना के मार्ग पर चलने वाले प्रदेश के वृहद आबादी वाले समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाना भाजपा को भारी पड़ेगी।

वंदना ने महतारी वंदन की राशि से बच्चे के लिए खरीदी लॉकेट

कोरबा(विश्व परिवार)। विकासखण्ड कोरबा अंतर्गत ग्राम कोरकोमा की वंदना राठिया की इच्छा थी कि वह अपने बेटे के गले में सोने का छोटा सा ही सही एक लॉकेट जरूर पहनाएं, लेकिन घर में गरीबी और आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से वह अपनी इच्छा पूरी ही नहीं कर पा रही थी। वंदना ने कुछ रूपए बचत कर जोड़े जरूर थे, लेकिन वह इतनी राशि नहीं थी कि उससे उसका लॉकेट आ जाए। इसी बीच छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जब महतारी वंदन योजना लागू की गई तो वंदना की मानों किस्मत खुल गई। अपना नाम जोड़वाने के बाद वंदना के बैंक खाते में भी एक हजार की राशि प्राप्त होने लगी। उन्होंने कुछ महीनों की राशि को जमा कर इतने रूपये जोड़ लिए कि बच्चे के गले का लॉकेट आ जाए। आखिरकार वंदना ने गांव के बाजार में जाकर सुनार से लॉकेट बनवाकर अपने बच्चे के गले में पहनाई। ग्राम कोरकोमा की रहने वाली वंदना राठिया ने बताया कि महतारी वंदन योजना के लागू होने से हम महिलाओं को हर महीने एक हजार रूपये मिल जाती है। यह हमारे बहुत काम की राशि होती है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक हजार की रकम बड़ी राशि होती है। उन्होंने बताया कि पति की कमाई से घर का खर्च चल पाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना लागू किए जाने के पंचायत छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उन्हें मिली एक हजार की राशि काम आती है।

पेट्रोल पंपों पर मानदंड अनुसार सभी आवश्यक सुविधा विकसित नहीं होने पर होगी कार्यवाही-कलेक्टर

कलेक्टर ने ली खाद्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक

सूरजपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने आज खाद्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में उचित मात्रा में खाद्यान्न भंडारण और उचित मूल्य दुकानों में राशन वितरण के वस्तु स्थिति पर समीक्षा की गई। इसके साथ ही उन्होंने सभी खाद्य निरीक्षकों को लोगों के ई केवाईसी को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राशन कार्ड के निर्माण के संबंध में भी जानकारी लेते हुए शत प्रतिशत रूप में शीघ्रता से राशन कार्ड निर्माण को पूर्ण करने के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में उज्जवला कनेक्शन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही होटल, ढाबों आदि व्यावसायिक क्षेत्रों में कमर्शियल सिलेंडर के जगह घरेलू सिलेंडर के उपयोग की शिकायत पर उन्होंने निरीक्षण कर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही राशन वितरण के आंकड़े, संबंधित आकड़ों के रिकार्ड ट्रैकिंग पर भी चर्चा की गई और इससे संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इसके अलावा बैठक में कलेक्टर श्री व्यास ने सभी पेट्रोल पंपों में मानदंडों के अनुसार हवा भरने, साफसुथरा शौचालय जैसे आवश्यक सभी सुविधा नहीं होने एवं संचालकों द्वारा इन सुविधाओं के विकास में लापरवाही बरतने के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त होने पर सभी पेट्रोल पंपों की जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में खाद्य अधिकारी श्री विजय किरण, नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी श्री समीर तिर्की, खाद्य निरीक्षक एवं संबंधित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ बलात्कार, लूटपाट और मारपीट के विरोध में प्रदर्शन एवं ज्ञापन भेंट

दल्लीराजहरा(विश्व परिवार)। बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा वहां के मूल निवासी अल्पसंख्यक हिन्दुओं के बहन - बेटी और परिवार के साथ किये जा रहे बलात्कार, आगजनी, लूटपाट और मारपीट के विरोध में 13 अगस्त को सर्व समाज समरसता समिति के नेतृत्व में दल्ली राजहरा नगर के समस्त सामाजिक संगठनों द्वारा नगर के जैन भवन चौक में विरोध प्रदर्शन कर अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन भेंट किया गया। जैसा की विभिन्न संचार माध्यमों से ज्ञात हो रहा है की बांग्लादेश में सेना और पुलिस के संरक्षण में इस्लामिक जेहादी और कट्टरपंथियों के द्वारा चुनी हुई लोकतान्त्रिक सरकार के तख्ता पलट करने के बाद लगातार हिन्दू परिवारों को पर हमला कर रहे है, हिन्दू गांवो को लक्षित करके लूटपाट और आगजनी किया जा रहा है। हिन्दू बहु बेटी और बहनों के साथ उनके घर के पुरुषों के सामने ही बलात्कार किया जा रहा है। हिन्दू परिवार भूख और भय के छाये में जी रहे है। यदि जरूरतों के सामान लेने बाहर निकलते है तो इज्जत और प्राण जाने का भय है और यदि घर में दुबके रहते है तो भूख से मरने का भय है। हिन्दू मंदिरों और देवी देवताओं की मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है। हिन्दुओं के दुकान और घरों में आगजनी और लूटपाट किया जा रहा है। देश विदेश सहित दल्ली राजहरा नगर में भी सर्व समाज समरसता समिति के कार्यकर्ता उक्त घटनाओं से बेहद क्षुब्ध और व्यथित है। इन्ही सब घटनाओ के विरोध में प्रदर्शन करने व देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के नाम भारत आने वाले पीड़ित हिन्दू परिवार को शरण देने तथा जो बंगलादेश में ही रहना चाहते उन परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ज्ञापन भेंट करने के लिए के पास एकत्रीकरण कर पैदल नारेबाजी और आक्रोश व्यक्त करते हुए अनुविभागीय कार्यालय गये। कार्यालय के समक्ष गगन भेदी नारों के साथ बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ बर्बर व्यवहार का विरोध प्रदर्शन कर तहसीलदार को ज्ञापन भेंट किया गया। उक्त विरोध प्रदर्शन में समिति के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों सहित नगर के लगभग सभी समाज प्रमुखों की उपस्थिति रही ।

बालको ने विश्व स्तनपान सप्ताह पर समुदाय में चलाया जागरूकता अभियान

कोरबा(विश्व परिवार)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने समुदाय की गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान के साथ विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया। इस वर्ष की थीम 'क्लोजिंग द गैप: ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल' के अनुरूप महिला एवं बाल स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सत्र आयोजित की गई। इस अवसर पर आरोग्य परियोजना' के अंतर्गत शिशुवती माताओं और गर्भवती महिलाओं को बच्चों के पोषण और स्तनपान के महत्व से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चे के लिए पहले 1,000 दिनों में मां के दूध का महत्व और कंगारू देखभाल जैसी उन्नत देखभाल तकनीकों पर जागरूकता प्रदान की गई। अभियान में मातृ

एवं शिशु दोनों के बेहतर स्वास्थ्य और स्तनपान को अनुकूलित करने के लिए प्रसव से पहले महिलाओं के शरीर को तैयार करने पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में 500 से अधिक गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन में कंपनी ने स्तनपान कराने वाली माताओं को सम्मानित और समर्थन देने का काम किया। अभियान ने स्तनपान प्रथाओं को बढ़ावा देने तथा इसे बनाए रखने में परिवार, समुदाय और स्वास्थ्य सेवा कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका को बताया गया। साप्ताहिक पहल में माताओं और गर्भवती महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक सभी की पहुँच एक समृद्ध समुदाय बनाने के हमारे दृष्टिकोण का केंद्र है। विभिन्न पहल के माध्यम से हम महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के साथ लोगों को एक स्वस्थ जीवन, आत्मनिर्भर भविष्य तथा सशक्त बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। मातृ एवं बाल स्वास्थ्य का समर्थन करके हम अपने समुदाय की भलाई को बढ़ावा दे रहे हैं। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि समुदाय के प्रत्येक माता एवं शिशु एक स्वस्थ और समृद्ध जीवन व्यतीत कर सके। कोरबा की महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी सुश्री रेणु प्रकाश ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि बच्चे का पोषण माँ की भलाई से जुड़ा हुआ है। महिला एवं बाल विकास लक्ष्यों के अनुरूप बालको की पहल माताओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए सशक्त बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके बच्चों को उनकी ज़रूरत के अनुसार पोषण मिले। मुझे विश्वास है कि प्रतिभागी इन सीखों को स्वयं तथा अपने बच्चों की देखभाल के लिए अधिक प्रभावी ढंग से लागू करेंगी। पथरीपारा की लाभार्थी रेजिना लिंगा ने बताया कि इस सत्र से कंगारू केयर तकनीक ने मातृत्व के प्रति मेरे दृष्टिकोण को बदल दिया है। कंगारू केयर पद्धति में सिखाया गया की अपने बच्चे को शरीर से लगाकर रखने से मातृ एवं शिशु के रिश्ते मजबूत होते हैं साथ ही मेरे बच्चे की समग्र विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

चोरी की बाईक बेचने ग्राहक तलाश रहा चोर पकड़ाया

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले की पाली थाना पुलिस ने चोरी की मोटरसायकल बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे एक चोर को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से चोरी की मोटरसायकल जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रिटायर्ड शिक्षक बलवान सिंह पिता स्व. सीताराम सिंह उम्र. 67 साल साकिन ग्राम माखनपुर चौकी चैतमा ने थाना पाली में घर से मोटर सायकल उसके प्लेटीना बजाज क्रमांक- सी.जी. 12- ए.टी- 1977 के चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर पुलिस अज्ञात चोर की पता तलाश कर रही थी। इसी दौरान पता चला कि एक व्यक्ति प्लेटीना बजाज मोटर सायकल बेचने पाली में ग्राहक तलाश रहा है। जिसपर पुलिस ने ग्राहक बनकर उससे सम्पर्क किया और उसे पकड़ कर पूछताछ की। पुछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने माखनपुर से मोटर सायकल चोरी कर डुमरकछार के जंगल में छिपाया है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी अर्जुन कुमार रजक पिता आनंद राम रजक उम्र. 27 साल साकिन ढेल्वाडीह थाना कटघोरा हाल मुकाम छिर्रा न्यायालय के पास कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.) के कब्जे से चोरी की प्लेटीना बजाज मोटर सायकल जप्त कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांण्ड पर जेल भेजा गया।

नगर निगम के कांग्रेस महापौर का जाति प्रमाणपत्र निरस्त

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के नगर पालिक निगम कोरबा के कांग्रेस महापौर राजकिशोर प्रसाद के जाति प्रमाण पत्र को उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने निरस्त कर दिया है। आपको बता दें कि 6 दिसंबर 2019 को अनुविभागीय अधिकारी कोरबा ने राजकिशोर प्रसाद अन्य पिछड़ा वर्ग का स्थायी सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र जारी किया था। प्रकरण में समिति ने कई पहलूओं की जांच परख के बाद उनके जाति प्रमाण पत्र को निरस्त कर दिया है। याद रहे कि 2019 में हुए नगरीय निकाय चुनाव के दौरान भाजपा के पार्षदों की संख्या अधिक रही। इसके बावजूद महापौर पद के लिए निर्वाचन के समय क्रास वोटिंग होने से कांग्रेस के राज किशोर प्रसाद महापौर निर्वाचित हो गए। इसके बाद भाजपा की महापौर प्रत्याशी रितु चौरसिया ने जिला न्यायाधीश के समक्ष याचिका दायर करते हुए महापौर राजकिशोर के जाति प्रमाण पत्र को चुनौती दी थी। साथ ही जाति प्रमाणन सम्बंधी समिति में भी शिकायत की थी। करीब साढ़े चार साल बाद मामले में बड़ा फैसला सामने आया है।

जंगल में लटकी मिली युवक की लाश

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा के वनांचल क्षेत्र जटगा चौकी के पास ग्राम पंचायत केशलपुर के आश्रित ग्राम तेंदूभाठा जंगल में शाम लगभग 3.45 बजे किसान अपने खेत को देखने गया था। उसके खेत से 30 मीटर की दूरी पर जंगल की ओर से तेज दुर्गंध आ रही थी। दुर्गंध की वजह जानने किसान आगे बढ़ा तो पेड़ पर एक युवक की लाश लटकती नजर आई। किसान ने तत्काल केशलपुर के सरपंच धरम सिंह कंवर को इसकी जानकारी दी। इसकी सूचना जटगा चौकी प्रभारी को दी गई। जटगा चौकी प्रभारी ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से पूछताछ की। मौके से बरामद मोबाइल से पता चला कि मृतक का सोशल आईडी में नाम गुड्डू दीवान है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक पता नहीं चल पाया है कि मृतक का वास्तविक नाम क्या है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग करते पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश

सूरजपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के द्वारा खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग करते पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही, का निर्देश दिया गया। शासन के निर्देशानुसार सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों (14.2किग्रा. लाल टंकी) का उपयोग केवल घरो में कुकिंग हेतु किया जाना है। जबकि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में व्यावसायिक सिलेण्डर (19 किग्रा./5 किग्रा. नीला टंकी) का उपयोग किया जाना है। जिले के कैटर्स, कैटील, होटल, ढाबा, चाय की दुकान, फास्ट फूड की दुकान वाहनों आदि में समय समय पर खाद्य विभाग द्वारा दबिश देकर घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाये जाने पर सिलेण्डर जप्ती कर राजसात की कार्यवाही किया गया है। वर्तमान में कतिपय प्रतिष्ठान के संचालक द्वारा अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। जिन्हे 30 अगस्त तक समीपस्थ गैस एजेंसी से व्यावसायिक कनेक्शन (आवश्यकतानुसार 19 किग्रा./5 किग्रा. नीला टंकी) लेकर प्रतिष्ठानों में उपयोग करना है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

कानूनी सिद्धांत सभी अपराधों पर लागू

सुप्रीम कोर्ट ने कड़े आतंकवाद विरोधी कानून के तहत आरोपी को जमानत देते हुए कड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जमानत नियम है-जेल अपवाद है, और यह कानूनी सिद्धांत सभी अपराधों पर लागू होता है।

गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) जैसे विशेष कानूनों के तहत दर्ज अपराधों में भी यह लागू होता है। पीठ ने कहा कि यदि अदालतें उचित मामले में जमानत देने से इंकार करना शुरू कर देंगी तो यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। बेशक, अभियोजन के आरोप बहुत गंभीर हो सकते हैं, लेकिन कानून के अनुसार जमानत के मामले पर विचार करना अदालत का कर्त्तव्य है। जलालुद्दीन खान पर प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के कथित सदस्यों को अपने घर की ऊपरी मंजिल किराए पर देने पर यूएपीए लगाया गया था।

साथ ही, अब खत्म हो चुकी आईपीसी की अन्य अनेक धाराओं के तहत भी अनेक मामले उनके खिलाफ दर्ज हैं। आरोप हैं कि किराये पर लिए गए इस परिसर का इस्तेमाल हिंसक कृत्यों को अंजाम देने के प्रशिक्षण और अपराध की साजिश रचने के मकसद से बैठकें करने के लिए किया गया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की जांच से पता चला कि यह आपराधिक साजिश आतंक फैलाकर देश की एकता एवं अखंडता को खतरे में डालने के लिए रची गई।

2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित यात्रा के दौरान बिहार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर खान के घर पर छापेमारी की थी। हकीकत में जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या 2022 के एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) के अनुसार साढ़े चार लाख के करीब है, जिन्हें जमानत नहीं मिलती।

अपने यहां मुकदमे लंबे समय तक चलते रहते हैं। जजों की संख्या कम है और मामले बहुत ज्यादा। दूसरे जब तक अपराध सिद्ध नहीं होता आरोपी को जमानत देना गलत नहीं है बशत्रे वह खतरनाक किस्म का अपराधी या बेहद शक्तिशाली न हो। जेलों में आरोपियों को जबरन बंद रखना और दोषमुक्त साबित होने पर बिना शर्त रिहा कर देने से उनको पूरा न्याय नहीं मिलता। जेल वास्तव में अपवादस्वरूप ही इस्तेमाल होनी चाहिए।

इस तरीके से सिर्फ जेलबंदियों को ही नहीं सहना पड़ता, बल्कि आरोपी का पूरा परिवार को ही भुगतना पड़ता है। मामले में भी खान के किरायेदार ही आरोपी हैं। यदि खान उस साजिश में सीधे शामिल नहीं पाए जा रहे हैं तो फिलवक्त उन्हें जमानत देना ही उचित और तर्कसंगत है।

आलेख

पश्चिम बंगाल का निर्भया काण्ड

अजय दीक्षित

लगभग दस-बारह दिन बीत गये जबकि कोलकाता के एक अस्पताल में रात के वक्त एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी वीभत्स तरीके से हत्या कर दी गई । कोलकाता की पुलिस व प्रशासन को जिस तेजी, फुर्ती, और तत्परता से छानवीन कर सुबह ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेना चाहिए था, ऐसा नहीं हुआ । बहुत साल पहले दिल्ली में एक बालिका के साथ बलात्कार हुआ था और बाद में उसकी हत्या कर दी गई थी । उसके बाद उसे निर्भया काण्ड नाम दिया गया और महिलाओं और विशेष कर बालिकाओं के साथ होने वाले दुराचार पर सख्त कार्रवाई की योजना की गई थी । दुर्भाग्य है कि उसके बाद भी राज्य सरकारें नहीं चेती । उत्तर प्रदेश में हाथरस काण्ड हुआ अन्य राज्यों में भी ऐसे काण्ड होते रहे । राजनैतिक दल एक दूसरे पर आरोप लगाकर अपनी राजनीति चमकाते रहे हैं ।

अब कल ही ममता बैनर्जी ने मार्च निकालकर कोलकाता काण्ड के आरोपी को फांसी देने की मांग की है । बीजेपी इसे ममता सरकार की विफलता मान रही है । कांग्रेस के अधीर रंजन भी पश्चिम बंगाल से आते हैं । वे अभी तक लोकसभा में विपक्ष के नेता थे, ऑफीशियली नहीं । क्योंकि पिछली दो लोकसभाओं में कांग्रेस को कुल सांसदों का दस प्रतिशत भी नहीं मिला था । तो भी अधीर रंजन ही उन बैठकों में भाग लेते थे जहां विपक्ष के नेता एक सदस्य होते हैं । इस बार अधीर रंजन चौधरी चुनाव हार गये । यूं भी कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का पश्चिम बंगाल में परस्पर विरोध है । वहां इण्डिया गठबंधन नहीं कर रहा है ।

कोलकाता हाईकोर्ट ने भी पश्चिम बंगाल की सरकार को फटकार लगाई है कि उसने जांच ठीक से नहीं की । असल में ममता बैनर्जी को यह केस उसी दिन सी.बी.आई. को सौंप देना चाहिए था, परन्तु ममता बैनर्जी ने पुलिस को एक हफ्ते का समय दे दिया ।

अब इस काण्ड को लेकर देशभर की रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं । पूरे देश में अस्पतालों में ओ.पी.डी. बन्द हैं । मरीज परेशान हो रहे हैं । हर एक प्राइवेट डॉक्टर की फीस नहीं भर सकता ।

असल में कोलकाता के अस्पताल के प्रशासन की सरासर गलती है । रात को जो भी सीनियर स्टाफ है, प्रिंसिपल या उसके प्रतिनिधि को रात भर अस्पताल में क्या हो रहा है, उसकी जानकारी होनी चाहिए । फिर उस दिन रात को तो प्रिंसिपल भी मौजूद थे ।

पोस्टमार्टम की रिपोर्ट से पता चला है कि इस बलात्कार काण्ड में एक अकेला व्यक्ति नहीं था । कम से कम चार या पांच लोग शामिल थे । क्योंकि उनके वीर्य पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में मिले हैं । बलात्कार के साथ-साथ उक्त महिला डॉक्टर के साथ मारपीट भी की गई । उसके निशान भी पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में हैं ।

प्रिंसिपल ने उसी दिन इस्तीफा दे दिया और चार घण्टे के अन्दर उसे राज्य सरकार ने दूसरे कॉलेज का प्रिंसिपल बना दिया । यह सही है न केवल पश्चिम बंगाल पर सभी राज्यों में ऐसी घटनाएं होती रहती हैं । परन्तु ममता बैनर्जी की सबसे बड़ी गलती यह है कि इस काण्ड के बाद तुरन्त कार्यवाही नहीं की गई बल्कि लीपा-पोती की गई ! इसका क्या कारण है? क्या बलात्कारी टी.एम.सी. से जुड़ा है ? ऐसे भ्रष्टाचारी को पार्टी में जगह क्यों दी गई ।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने भी ममता बैनर्जी पर सवाल उठाये हैं । असल में सारा हिन्दुस्तान इसको ममता बैनर्जी की नाकामी मानता है । अभी भी समय है केन्द्र सरकार ऐसे बलात्कार के मामलों में चौबीस घण्टे में तहकीकात करके अगले दिन ही उसे फांसी के तख्ते पर चढ़ा दे । सभी देश की महिलाएं अपने को सुरक्षित मानेंगी । मोदीजी ने 15 अगस्त को लाल किले से जो भाषण दिया है, उसे आशा जगती है कि केन्द्र सरकार तुरन्त अध्यादेश लाकर ऐसे मामलों का 24 घण्टे में निपटारा करके, अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा या फांसी दे दे जिसे सभी टी.वी. चैनल दिखलाये ।

पर्यूषण महापर्व 8 सितम्बर से 17 सितंबर 2024 पर विशेष

दसलक्षण महापर्व : विकारों से मुक्ति के दस उपाय

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

जैन धर्म में अहिंसा एवं आत्मा की शुद्धि को सबसे महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। प्रत्येक समय हमारे द्वारा किये गये अच्छे या बुरे कार्यों से कर्म बंध होता है, जिनका फल हमें अवश्य भोगना पड़ता है। शुभ कर्म जीवन व आत्मा को उच्च स्थान तक ले जाता है, वही अशुभ कर्मों से हमारी आत्मा मलिन होती जाती है।

पर्युषण पर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक क्रियाओं से आत्मशुद्धि की जाती व मोक्षमार्ग को प्रशस्त करने का प्रयास किया जाता है, ताकि जनम-मरण के चक्र से मुक्ति पायी जा सके। जब तक अशुभ कर्मों का बंधन नहीं छुटेगा, तब तक आत्मा के सच्चे स्वरूप को हम नहीं पा सकते हैं।

यह पर्व जीवन में नया परिवर्तन लाता है। दश दिवसीय यह पावन पर्व पापों और कषायों को रग - रग से विसर्जन करने का संदेश देता है।

यह एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है। पर्युषण आत्म जागरण का संदेश देता है और हमारी सोई हुई आत्मा को जगाता है। यह आत्मा द्वारा आत्मा को पहचानने की शक्ति देता है।

यह पर्व जीवमात्र को क्रोध, मान,माया,लोभ, ईर्ष्या, द्वेष, असंयम आदि विकारी भावों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। हमारे विकार या खोटे भाव ही हमारे दु:ख का कारण हैं और ये भाव वाह्य पदार्थों या व्यक्तियों के संसर्ग के निमित्त से उत्पन्न होते हैं। आसक्ति—रहित आत्मावलोकन करने वाला प्राणी ही इनसे बच पाता है। इस पर्व में इसी आत्म दर्शन की साधना की जाती है। यह एक ऐसा अभिनव पर्व है कि जिससे किसी अवतार, युग पुरुष या व्यक्ति विशेष का गुणगान न करके अपने ही भीतर छिपे सद्गुणों को विकसित करने का पुरुषार्थ किया जाता है। अपने व्यक्तित्व को समुन्नत बनाने का यह पर्व एक सर्वोत्तम माध्यम है।

जैनधर्म में विकारों से मुक्ति के दस उपाय बताते गए हैं। उन्हें धर्म के दस लक्षण भी कहा जाता है। उन्हीं दस लक्षणों की चर्चा—वार्ता की प्रधानता होने से इस पर्व को दशलक्षण पर्व कहा जाता है। इन दस लक्षणों को अपने आचरण में उतारने के लिए जो साधना करता है, वह एक दिन निर्विकार हो जाता है। यह हम सबका कर्तव्य है कि विकारों से बचते हुए हम धर्म—मार्ग पर चलें।

मूलत: आत्मा का स्वभाव ज्ञान और दर्शन है। इन्हीं की उपलब्धि के लिए चारित्र की उपयोगिता है । यही मोक्षमार्ग है। इस मोक्षमार्ग की दश सीढ़ी हैं जिन पर चढ़कर भव्य मानव पूर्व ज्ञान और दर्शन को प्राप्त करता है। ये दश सीढ़ियां धर्म के दशलक्षण हैं—

मोक्षशास्त्र में जैनाचार्य उमास्वामी जी ने लिखा है- ''उत्तमक्षमामार्दवार्जव -शौच -सत्य संयम -तप - त्यागाकिंचन्य ब्रह्मचर्याणि धर्म:'' अर्थात उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव शौच, सत्य, सयंम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य ये दश धर्म हैं।

दस दिन तक इन धर्मों की क्रमश: आराधना की जाती है। आइये संक्षेप में प्रत्येक धर्म के बारे में जानें-

1.क्रोध पर अंकुश लगानें का उपाय 'उत्तम क्षमा धर्म :

उत्तम क्षमा धर्म हमारी वैमनस्यता, कलुषता, बैर—दुश्मनी एवं आपस की तमाम प्रकार की टकराहटों को समाप्त कर जीवन में प्रेम, स्नेह, वात्सल्य, प्यार, आत्मीयता की धारा को बहाने का नाम है। हम अपनी कषायों को छोड़ें, अपने बैरों की गांठों को खोलें, बुराइयों को समाप्त करें, बदलें, प्रतिशोध की भावना को नष्ट करें, नफरत—घृणा, द्वेष बंद करें, आपसी झगड़ों, कलह को छोड़ें।

आज का मनुष्य अपने आवेगों से परेशान है। वह हर समय तनाव में जी रहा है। सास और बहू, ननद और भावज, देवरानी और जेठानी तथा भाई और भाई के बीच की अनबन या कलह आज घर—घर की कहानी बन गई है। पूरे देश के लोग जाति, भाषा और समुदाय के नाम पर झगड़ रहे हैं। यह सब आम आदमी के मन में रचे—बसे क्रोध का ही दुष्परिणाम है। क्रोध की दिनों—दन बढ़ती इस लहर पर अंकुश लगा कर ही हम पारिवारिक और सामाजिक शान्ति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जब क्रोध आये तो तुरन्त प्रतिक्रिया व्यक्त करने से बचना चाहिए। समय का अन्तराल क्रोध के आवेग को कम कर देता है। पूरी और गहरी सांस लेने से भी क्रोध पर विजय पाई जा सकती है।

2.विनम्रता सिखाता है 'उत्तम मार्दव ':

सब से विनम्र भाव से पेश आएं, सब प्राणियों के प्रति मैत्री भाव रखें । क्योंकि सभी प्राणियों को जीवन जीने का अधिकार है। मृदु परिणामी व्यक्ति कभी किसी का तिरस्कार नहीं करता और यह सृष्टि का नियम है कि यहाँ दूसरों का आदर देने वाला ही स्वयं आदर का पात्र बन सकता है।

3.कथनी और करनी एक हो- उत्तम आर्जव :

आर्जव धर्म का अर्थ है— मन, वाणी और कर्म की पवित्रता और यह पवित्रता ही किसी व्यक्ति को महान बनाती है। महापुरुष जो कहते हैं, वही करते हैं, किन्तु कुटिल पुरुषों की कथनी और करनी में अन्तर होता है। यह मायाचार है। शास्त्रों में इसे त्याज्य बताया गया है। आज सर्वत्र मायाचार या छल—कपट का साम्राज्य है। आज धर्म के क्षेत्र में भी मायाचार देखा जा सकता है। इस धर्म का ध्येय है कि हम सब को सरल स्वभाव रखना चाहिए, मायाचारी त्यागना चाहिए।

4. लोभ त्यागने का संदेश देता है 'उत्तम शौच धर्म ':

भौतिक संसाधनों और धन दौलत में खुशी खोजना यह महज आत्मा का एक भ्रम है।

उत्तम शौच धर्म हमे यही सिखाता है कि शुद्ध मन से जितना मिला है उसी में खुश रहो।लोभ छोड़ने से ही आत्मा में उत्तम शौच धर्म प्रकट होता है।

5.वाणी का करें सदुपयोग —उत्तम सत्य धर्म : व्यवहार में वाणी के सदुपयोग को सत्य कहते हैं।दुर्लभ वाणी का सदुपयोग करने वाला ही धर्मात्मा कहला सकता है। हित—मित और प्रिय वचन बोलना ही वाणी का सदुपयोग है। कटु, कर्वश एंव निन्दापरक वचन बाण की तरह होते हैं, जो सुनने वाले के हृदय में घाव कर देते हैं ।

6.जीवन की उन्नति के लिये संयम जरूरी- उत्तम संयम धर्म : मन, वचन और शरीर को काबू में रखना।प्राणी-रक्षण और इन्द्रिय दमन करना संयम है। स्पर्शन, रसना, घ्राण, नेत्र, कर्ण और मन पर नियंत्रण (दमन, कन्ट्रोल) करना इन्द्रिय-संयम है। पृथ्वीकाय, जलकाय, अग्निकाय, वायुकाय, वनस्पतिकाय और त्रसकाय जीवों की रक्षा करना प्राणी संयम है। संयम भोजन पान में भक्ष्य के विवेक पर भी जोर देता है। वह जीवन का अनुशासन है। उसका पालन करते हुए ही जीवन को सुखी, निरापद और शानदार बनाया जा सकता है।

7. मन की शुद्धि सिखाता है - उत्तम तप धर्म: मलीन वृत्तियों को दूर करने के लिए जो बल चाहिए, उसके लिए तपस्या करना।तप का मतलब सिर्फ उपवास, भोजन नहीं करना सिर्फइतना ही नहीं है बल्कि तप का असली मतलब है कि इन सब क्रिया के साथ अपनी इच्छाओं और ख्वाहिशों को वश में रखना।

तप का प्रयोजन है मन की शुद्धि! मन की शुद्धि के बिना काया को तपाना या क्षीण करना व्यर्थ है। तप से ही आध्यात्म की यात्रा का ओंकार होता है।

8. उत्तम कार्यों के लिए करें दान, त्यागें बुरी आदत-उत्तम त्याग धर्म:

उत्तम पात्र को ज्ञान, अभय, आहार, औषधि आदि दान देना चाहिए। धन की तीन गतियाँ हैं— दान, भोग और नाश। बुद्धिमत्ता इसी में है कि नष्ट होने से पहले उसे परोपकार में लगा दिया जाये। उत्तम कार्यों में दिया या लगाया हुआ धन ही सार्थक है, अन्यथा तो उसे अनर्थों की जड़ कहा गया है।

9. अहंकार और ममकार से निवृत्ति- उत्तम आकिंचन धर्म : किसी भी चीज में ममता न रखना। अपरिग्रह स्वीकार करना।आत्मा के अपने गुणों के सिवाय जगत में अपनी अन्य कोई भी वस्तु नहीं है इस दृष्टि से आत्मा अकिंचन है। अकिंचन रूप आत्मा-परिणति को आकिंचन करते हैं।

10. ब्रह्मचर्य- सद्गुणों का अभ्यास करना और अपने को पवित्र रखना। ब्रह्मचर्य का वास्तविक अर्थ है अन्तर्यात्रा अर्थात् अपनी ज्ञानरूप आत्मा में लीन होना। व्यवहार में मन की वासना या विकारों को जीतने का नाम ब्रह्मचर्य है।

संक्षेप में सार यही है धर्म के दस लक्षण । धर्म तो एक और अखण्ड है, ये दस तो उस तक पहुँचने के रास्ते हैं। कहीं से भी शुरू कीजिए, आप अपनी मंजिल पा जायेगें । इस दशांग धर्म के आचरण से ही आत्मा निर्मल—निर्विकार होता है । व्यवहारिक जीवन की सफलता भी इन्हींके अनुपालन पर निर्भर है। जिसके आचरण में ये उतर जाते हैं वह सुख और आनन्द के वातावरण में विचरण करने लगता है।

जैन धर्म में सबसे उत्तम पर्व है पर्युषण। यह सभी पर्वों का राजा है। इसे आत्मशोधन का पर्व भी कहा गया है, जिसमें तप कर कर्मों की निर्जरा कर अपनी काया को निर्मल बनाया जा सकता है। इन पर्व के दिनों में साधक अपनी आत्मा पर लगे कर्म रूपी मैल की साफ-सफाई करते हैं।

यह आत्मा द्वारा आत्मा को पहचानने की शक्ति देता है। इस दौरान व्यक्ति की संपूर्ण शक्तियां जग जाती हैं। पर्युषण का अर्थ है ङ्क ' परि ' यानी चारों ओर से , ' उषण ' यानी धर्म की आराधना। वर्ष भर के सांसारिक क्रिया ङ्क कलापों के कारण उसमें जो दोष चिपक गया है , उसे दूर करने का प्रयास इस दौरान किया जाता है। शरीर के पोषण में तो हम पूरा वर्ष व्यतीत कर देते हैं। पर पर्व के इन दिनों में आत्म के पोषण के लिए व्रत, नियम, त्याग, संयम को अपनाया जाता है।

सांसारिक मोह-माया से दूर मंदिरों में भगवान की पूजा-आर्चना, अभिषेक, आरती, जाप एवं गुरूओं के समागम में अधिक से अधिक समय को व्यतीत किया जाता है एवं अपनी इंद्रियों को वश में कर विजय प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

सभी के द्वारा मन-वचन-काय से अहिंसक धर्म का पूर्ण रूप से पालन करने का प्रयत्न करते हुए किसी भी प्रकार के अनावश्यक कार्य को करने से परहेज किया जाता है।

शास्त्रों की विवेचना की जाती है व जप के माध्यम से कर्मों को काटने का प्रयत्न करते हैं। व्रत व उपवास करके आत्मकेंद्रित होने का प्रयास व विषय-कसायों से दूर रहा जाता है।

संयम और आत्मशुद्धि के इस पवित्र महापर्व पर श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक व्रत-उपवास रखते हैं। मंदिरों को भव्यतापूर्वक सजाते हैं तथा अभिषेक-शांतिधारा, विशेष पूजन, विधान कर विशाल शोभा यात्राएं निकाली जाती हैं। इस दौरान जैन व्रती कठिन नियमों का पालन भी करते हैं ,जैसे बाहर का खाना पूर्णत: वर्जित होता है, दिन में केवल एक समय ही भोजन करना आदि। बड़ी संख्या में साधक दस दिन तक निर्जला उपवास भी रखते हैं।

मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतरराष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं।

आज की दौड़-भाग भरी जिंदगी में जहां इंसान को चार पल की फुर्सत अपने घर-परिवार के लिए नहीं है, वहां खुद के निकट पहुंचने के लिए तो पल-दो पल भी मिलना मुश्किल है। इस मुश्किल को आसान और मुमकिन बनाने के लिए जब यह पर्व आता है, तब समूचा वातावरण ही तपोमय हो जाता है।

संक्षेप में पर्यूषण महापर्व (दसलक्षण धर्म) का तात्पर्य है पुरानी दिनचर्या का बदलना, खान-पान और विचारों में परिवर्तन आकर मन सद्भावनाओं से भर जाना। विकृति का विनाश और विशुद्धि का विकास करना ही इस पर्व का ध्येय है।

जैन धर्मावलंबी भाद्रपद मास में भाद्रपद शुक्ल पंचमी से चतुर्दशी तक पर्यूषण पर्व मनाते हैं। श्वेताम्बर जैन संप्रदाय के पर्यूषण 8 दिन चलते हैं। उसके बाद दिगंबर जैन संप्रदाय वाले 10 दिन तक पर्यूषण मनाते हैं। दिगंबर परंपरा में इसकी 'दशलक्षण पर्व' के रूप में पहचान है। उनमें इसका प्रारंभिक दिन भाद्र व शुक्ला पंचमी और संपन्नता का दिन चतुर्दशी है। यह सभी पर्वों का राजा है। इसे आत्मशोधन का पर्व भी कहा गया है।

भारतीय कृषि का अमृतकाल

शिवराज सिंह चौहान

कृषि विकास और किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अन्न के माध्यम से हमारे जीवन संचालन के सूत्रधार अन्नदाता के जीवन में सुख-समृद्धि लाना हमारा संकल्प है। इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे। किसान की आय बढ़ाने के लिए हमने छह सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम दिलाना, प्राकृतिक आपदा में राहत की उचित राशि दिलाना, कृषि का विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना इसके अहम पहलू हैं। उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सबसे जरूरी हैं अच्छे बीज, जो कम पानी और विपरीत मौसम में भी बेहतर उत्पादन में सक्षम हो सकें। ऐसे बीजों की 109 नई किस्मों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र और किसानों को समर्पित किया है।

बीते 10 वर्षों में कृषि परिदृश्य तेजी से बदला है। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन जैसी समस्याओं के बीच उत्पादकता बढ़ाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए अगले पांच वर्षों में हमारा लक्ष्य जलवायु अनुकूल फसलों की 1500 नई किस्में तैयार करने का है। वर्तमान में विज्ञान से ही किसानों का कल्याण संभव है। मुझे अपने कृषि विज्ञानियों पर गर्व है जो जलवायु अनुकूल किस्में तैयार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि में किए जा रहे नवाचारों से कृषि एवं किसान कल्याण सुनिश्चित होगा।

किसान होने के नाते मैं भलीभांति समझता हूं कि बढ़िया उत्पादन के लिए अच्छे बीज कितने आवश्यक हैं। अगर बीज उन्नत और मिट्टी एवं मौसम की प्रकृति के अनुकूल होंगे तो उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मोदी जी ने यह समझा और व्यापक विजन के साथ इस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया। विविधता भारतीय कृषि की विशेषता है। यहां कुछ दूरी के अंतराल पर ही खेती का मिजाज बदल जाता है। जैसे मैदानी खेती अलग है तो पहाड़ों की खेती अलग। इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं को ध्यान में रखते हुए फसलों की 109 नई किस्में जारी की गई हैं। इनमें खेती की 69 किस्में और बागवानी की 40 किस्में राष्ट्र को समर्पित कर दी गई हैं। भारत को ग्लोबल न्यूट्रिशन हब बनाने और श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए मोदी सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है।

हमारा संकल्प है कि किसान के परिश्रम का उचित मूल्यांकन हो और उन्हें फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कर रहे हैं। किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में है और उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ भारत की चिंता भी रही है कि मानव शरीर और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित उत्पादन हो। आज भारत नई हरित क्रांति का साक्षी बन रहा है। हमारे अन्नदाता ऊर्जादाता तथा ईंधनदाता भी बन रहे हैं। मोदी जी के प्रयासों से खेती के साथ ही पशुपालन, मधुमक्खी पालन, औषधीय खेती, फूलों-फलों की खेती सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों को सशक्त बनाया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता में कृषि और किसान रहे ही नहीं। जबकि मोदी जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय का बजट 27 हजार 663 करोड़ रुपये था जो 2024-25 में बढ़कर 1 लाख 32 हजार 470 करोड़ रुपये हो गया है। यह बजट सिर्फ कृषि विभाग का है। कृषि से संबद्ध क्षेत्रों और फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए अलग बजट है। मोदी सरकार किसानों को यूरिया और डीएपी सस्ती दरों पर उपलब्ध करा रही है। यूरिया पर सरकार किसानों को करीब 2,100 रुपये सब्सिडी जबकि डीएपी के एक बैग पर 1083 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसान स्वावलंबी और सशक्त हुआ है। फसलों के नुकसान पर भी फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच है।

मोदी सरकार में किसान को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। उनकी मुश्किलें कम करे और मुनाफा बढ़ाए। इसी कड़ी में एक लाख करोड़ रुपये की एग्री इन्फ्रा फंड के जरिये कृषि से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। पूरे देश में 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र किसान और विज्ञान को जोड़ रहे हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के जरिये टेक्नोलाजी से दूरदराज की हमारी माताओं-बहनों को भी जोड़ा जा रहा है। कृषि सखियों को प्रशिक्षण देने के पहले चरण में अब तक 35 हजार कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मोदी जी का विजन है कि भारत कृषि में आत्मनिर्भर बने। इस दिशा में भी रणनीति बनाकर कार्य किया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में हम 18,000 करोड़ रुपये की लागत से 100 निर्यात केंद्रित बागवानी क्लस्टर बनाएंगे। किसानों के लिए मंडी तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 1500 से अधिक मंडियों का एकीकरण किया जाएगा। साथ ही 6,800 करोड़ रुपये की लागत से तिलहन मिशन की शुरुआत कर रहे हैं। सब्जी उत्पादन क्लस्टर बनाने की भी तैयारी है। इससे छोटे किसानों को सब्जियों-फल और अन्य उपज के लिए नए बाजार और बेहतर दाम मिलेंगे। सरकार ने यह संकल्प भी लिया है कि दलहन फसलों में तुअर, उड़द और मसूर की पूरी खरीद एमएसपी पर की जाएगी।

यजुर्वेद में उल्लिखित है %अन्नानां पतये नम: क्षेत्राणां पतये नम:% अर्थात अन्न के स्वामी और खेतों के स्वामी अन्नदाताओं को नमन। कृषि पराशर में भी उल्लेख है - अन्न ही प्राण है, अन्न ही बल है एवं अन्न ही समस्त प्रयोजनों का साधन है। किसानों के बिना इस देश का अस्तित्व ही अधूरा है। इसलिए हमारे प्राचीन शास्त्रों में भी किसानों को प्रणाम किया गया है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसका आत्मा। हमारे लिए किसान की सेवा भगवान की पूजा है। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के दीर्घकालिक विजन तथा सर्वांगीण, सर्वस्पर्शी, समावेशी और समग्र विकास वाले सोच के साथ भारत एवं भारतीय कृषि निरंतर आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे किसान भाई-बहन आजादी के अमृतकाल में आत्मनिर्भर भी बनेंगे और समृद्ध संपन्न होने के साथ-साथ देश के अन्न भंडार भरते रहेंगे ।

(लेखक भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री है)

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

श्रावक संयम साधना संस्कार शिविर : अध्यात्मयोगी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज सहित 25 पिच्छी संसघ के मंगल सानिध्य में धर्मनगरी नांदणी में आयोजन

नांदणी (विश्व परिवार)। अध्यात्मयोगी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज जी सहित 25 पिच्छी संसघ के मंगल सानिध्य में स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी संस्थान मठ नांदणी में 8 सितंबर 2024 से 17 सितंबर 2024 तक श्रावक संयम साधना संस्कार शिविर का आयोजन किया हैं।

पश्चिम महाराष्ट्र के कोल्हापूर जिले के शिरोळ तहसिल में नांदणी यह गांव है द्य कोल्हापूर से पूर्वे की ओर 35 कि. मी., बेलगांव से उत्तर की ओर 100 कि. मी., सांगली से 15 कि . मी. और जयसिंगपूर से दक्षिण की ओर 7 कि.मी. की दुरी पर नांदणी तीर्थक्षेत्र स्थित है द्य अनेक ऋषी मुनीयों के तपस्या से पावन तथा प्राचीन मूर्ती के लिए सु-विख्यात यह प्राचीन तीर्थक्षेत्र अनेक लोगों का श्रद्धास्थान है द्य

जो माता-पिता और गुरुओं का सम्मान करते हैं, उनके घर विपत्तियां नहीं आतीं- आचार्य भगवन्त प.पू. आध्यात्म योगी 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज यथा नाम तथा गुण रुप है। जैसा नाम है, वैसा ही आचरण है। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज जी ने अपने प्रवचन में कहा कि जो माता-पिता और गुरुओं का सम्मान करते हैं, उनके घर विपत्तियां नहीं आतीं। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी ने कहा कि व्यक्ति को कभी हताश नहीं होना चाहिए, क्योंकि सबके दिन एक से नहीं होते। जीवन में कितने भी संकट आएं, कितनी भी विषमताएं आएं, हमेशा धैर्य रखकर सही समय का इंतजार करना चाहिए।

वर्धमान (महावीर स्वामी) बनना है, उन्हें वर्तमान ठीक करना पड़ेगा। वर्तमान ठीक नहीं है तो आप वर्धमान की माला तो फेर सकते हो, वर्धमान बन नहीं सकते। न धन के पीछे भागो और न ही धरती के पीछे भागो, करना है तो कुछ ऐसा काम करो दुनिया तुम्हारे पीछे भागे। वर्तमान को सुधार लो भाव से निर्मल हो जाओगे। आचार्य श्री ने कहा कि कभी मिट्टी और पानी को दोष मत दें, जैसा बीज होगा, फसल भी वैसा ही होगा। पुण्य जैसा होगा, फल वैसा ही मिलता है। न प्रभु को दोष देना, न माता-पिता और न कुटुंब परिवार को दोष देना।

दिन बदलते देर नहीं लगती- श्रीराम को राज्य मिलने वाला था, उसी दिन बनवास हो गया। श्रीकृष्ण का जन्म जेल में हुआ। सती सीता को गर्भवती अवस्था में वन में छोड़ दिया गया। दिन बदलते देर नहीं लगती। देखते ही देखते समय बदल जाता है। रावण ने सीता का हरण कर लिया था, परन्तु फिर भी सीता श्रीराम की ही कहलाती थी। आप हरण तो कर सकते हो, वस्तु छीन सकते हो, पर अपनी बना नहीं सकते हो। शाश्वत सुख पाने को एक-एक क्षण मूल्यवान है- शाश्वत सुख पाने को एक-एक क्षण मूल्यवान है। मनुष्य भव अत्यंत दुर्लभ है। तन का श्रृंगार मत करो, चेतन को निर्मल करो। चित्त की निर्मलता भविष्य में पवित्र भव को प्रदान करती है।

कर्म सिद्धांत बहुत विचित्र व बलवान है। कर्म किसी को नहीं छोड़ता है। कर्म के वेग में बड़े- बड़े सम्राट भी परास्त हो जाते हैं। आचार्य श्री ने कहा कहा, जीवन अमूल्य है, इसे पहचानो। जीवन के पथ पर सँभल-संभल कर आगे बढ़ो- जीवन के पथ पर सँभल-संभल कर आगे बढ़ो। एक पाषाण वह है जिससे परमात्मा की प्रतिमा बन रही है और एक पाषाण वह है जिसे सीढ़ियों पर लगाया जा रहा है।अहो ! एक फूल अर्थी पर फेंका जाता है, एक फूल किसी सुन्दरी के गले में शोभायमान हो रहा है और एक फूल प्रभु के चरणों में चढ़ाया गया है। जो कुछ हो रहा है, उसे तटस्थ भाव से स्वीकारो। राग-द्वेष-मोह का त्याग करो।

-अभिषेक अशोक पाटील

ज्ञानी की अनुमोदना कीजिये आलोचना नहीं, 'आलोचना' अभिमान की अभिव्यक्ति है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। ज्ञानी की अनुमोदना कीजिये आलोचना नहीं, आलोचना अभिमान की अभिव्यक्ति है उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने सोलहकारण प्रवचन माला के दूसरे दिवस विनय संपन्नता पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि विनय को मोक्ष का द्वार कहा है उन्होंने विनय के चार प्रकार बताते हुये कहा कि सबसे पहले लोकानुवर्ती विनय अर्थात जिसमें आप सभी एक दूसरे को जय जिनेन्द्र करते है यह एक सामान्य शिष्टाचार कहलाता है, दूसरी होती है अर्थतन्त्रीय विनय जिसमें आपका कोई प्रयोजन सिद्ध होता है अर्थात व्यापरिक विनय जो आप अपने क्लाइंड या ग्राहक के साथ रखते है। तीसरी विनय होती है कामतन्त्रीय विनय जिसमें काम उत्तेजना की पूर्ती के लिये विनम्रता बनी रहती है, तथा चौथी विनय है मोक्षविनय जो हमारी चेतना को निर्मल बनाकर अहंकार को नष्ट कर मोक्षमार्ग को प्रशस्त करती है। मुनि श्री ने कहा कि विनयसंपन्न व्यक्ती कभी किसी का निरादर नहींकरता उसके रोम रोम से विनय शीलता प्रकट होती है जिसके अंदर ज्ञान विनय प्रकट होता है वह हमेशा ज्ञानी के प्रति आदरभाव रखता है आचार्य श्री हमेशा कहते थे कि श्रावक हमेशा आप लोगों के प्रति विनयभाव रखता है आप लोगों को भी श्राबकों के प्रति भी विनय भाव रखना चाहिए तो हमने पूंछा कि गुरुदेव श्रावकों की विनय कैसे की जाये तो गुरुदेव कहते हें कि जब श्रावक आपको नमोस्तु करता है तो आपने उसको आशीर्वाद दे दिया यही श्रावकों की विनय

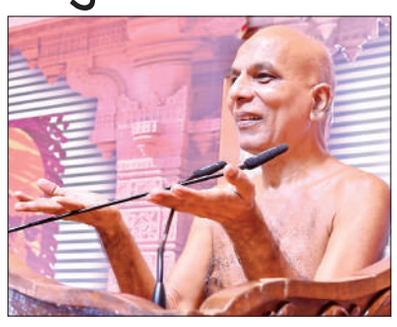

कहलाती है। मुनि श्री ने कहा विनय विद्या को देती है, विद्या पाने के लिये कभी अधीर मत होना, विद्या समय पाकर के ही पकती है उन्होंने कहा कि विनय संपन्न शिष्य कभी गुरु की बात को टालता नहीं एवं गुरु की बात को कभी अस्वीकार भी नहीं करता हमेशा गुरु की बात में स्वीकार भाव होंना चाहिए, उन्होंने कहा कि आजकल जो घटनाएं सामने आती हें चार साल का बालक को विना पड़े ही अद्भुत ज्ञान होता है यह पूर्व भव का विनयपूर्वक लिया गया ज्ञान ही है, जो कि उस बालक के अगले भव में चल रहा है। कभी भी यह मत सोचना कि यह मुझसे बनता नहीं करत करतअभ्यास के जड़मति होत सुझान मुनि श्री ने कहा कि आपके ज्ञान की कितनी भी उपलब्धि क्यों न हो जाऐ हमेशा गुरु के प्रति आपके मन में बहुमान रहना चाहिये। एवं मोक्षमार्ग में यदि किसी का स्थिति करण करना हो तो सबसे पहले उसके हृदय में उतरो और उसकी बास्तविक हालात की जानकारी लेकर ही स्थितिकरण करना चाहिये विनय के साथ विवेक होंना भी जरुरी है तभी आप अपने लक्ष्य में खरे उतर सकते हो। सांयकाल शंकासमाधान में मुनि श्री ने न्याय व्यवस्था से जुड़े अधिवक्ता एवं न्यायमूर्ति न्यायाधीशों कीशंकासमाधान करते हुये कहा कि धर्म के लिये न्याय की जरुरत नहीं अधर्म के लिये न्याय की आवश्यकता है। न्याय को भी धर्म की दृष्टि से देखा जाता है लेकिन धर्म का स्थान न्याय से ऊपर है न्याय अपराधियों की डंड व्यवस्था करता है लेकिन धर्म हमारे जीवन के शुद्धीकरण की बात करता है, उन्होंने कहा कि पाप और अपराध में मौलिक अंतर है अपराध की सजा तो न्याय व्यवस्था में है लेकिन 24 घंटे जो पाप मन में चलते है, उसकी सजा किसी न्यायालय में नहीं, जबकि मन में पहले पाप आता है उसके पश्चात ही वह उसे क्रियान्वयन करता है, धर्म की अदालत में निश्चल हृदय की जरुरत होती है। उपरोक्त जानकारी देते हुये मीडिया प्रभारी राहुल जैन (स्पोर्ट्स) प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया आगामी25 अगस्त को शंकासमाधान कार्यक्रम के दस वर्ष पूर्ण होंने पर सांयकाल एवं दौपहर में विशेष कार्यक्रम आयोजित है धर्मप्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी, महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा, महामंत्री हर्ष जैन, मनोज बाकलीवाल सहित समस्त पदाधिकारियों ने आम नागरिकों से अनुरोध करते हुये कहा कि प्रतिदिन मुनिश्री के मांगलिक प्रवचन 8:30 से मोहता भवन रैसकोर्स रोड़ पर चल रहे है सभी लोग पधारे। **-अविनाश जैन**

मोक्ष तक पहुंचने के लिए जीवन में गुणों का होना अत्यंत आवश्यक : मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचनमाला जारी है। शुक्रवार को तपस्वी मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने कहा कि चार गति रूप संसार में भटक रहे जीव के लिए जिन शासन की प्राप्ति अत्यंत पुण्य के उदय से होती है। जिन शासन की प्राप्ति के बाद जीव का कर्तव्य है कि वह धर्म के अंदर पुरुषार्थ करके अपनी आत्मा को मोक्ष में पहुंचाएं और मोक्ष तक पहुंचने के लिए जीवन में गुणों का होना अत्यंत आवश्यक है। इस तरह के 21 गुणों का वर्णन शास्त्रकार भगवंतो ने किया है, उन गुणों के अंतर्गत पापभीरूता नाम के गुण की बात चल रही है।

मुनिश्री ने कहा कि जीव ने सामायिक, प्रतिक्रमण, पूजा, दान, तप रूप प्रवृत्ति धर्म तो बहुत किए हैं परंतु जब तक जीवन में निवृत्ति रूप धर्म (त्याग) को नहीं अपनाएगा तब तक उसका कल्याण होना मुश्किल है। अवसर आने पर तपस्या हो जाती है परंतु रात्रि भोजन त्याग, अभक्ष्य त्याग आदि करना उसे नहीं रुचता है, करोड़ों रुपए का वह दान कर सकता है, करता है लेकिन अनीति का त्याग, चोरी का त्याग करना वह मुश्किल समझता है। दान करना वह प्रवृत्ति रूप धर्म है, चोरी नहीं करना, अनीति नहीं करना वह निवृत्ति रूप धर्म है और जब तक वह निवृत्ति रूप धर्म जीवन में नहीं लाएगा तब तक उसका जीवन दोषों से भरा रहेगा।

मुनिश्री ने कहा कि जैन शास्त्रों में 14 गुणस्थानको की जो व्यवस्था बताई गई है उसमें ऊपर ऊपर के गुणस्थानको को प्राप्त करने के लिए जीवन में दोषों का त्याग होना ही चाहिए। भारत की भूमि यह आर्य संस्कृति की भूमि है। यहां पर न्यायालय की एक व्यवस्था है किसी अपराधी को मृत्युदंड देने के बाद न्यायाधीश अपनी उस कलाम को तोड़ देते हैं क्योंकि जिस कलम से किसी के लिए मृत्यु का फरमान लिखा गया हो उस कलाम का उपयोग अब किसी दूसरे कार्य के लिए योग्य नहीं है। यह घटना आर्य संस्कृति की तस्वीर बताती है।

राजस्थान जैन युवा महासभा की जिला कमेटी का शपथ ग्रहण एवं झाँकी सम्मान समारोह आज

मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में हुआ पोस्टर विमोचन

जयपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की नवगठित जयपुर जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं सुगन्ध दशमी के मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में गत वर्ष सजाई गई झांकियों का सम्मान समारोह शनिवार को आयोजित किया जाएगा।इस मौके पर गणमान्य श्रेष्ठीजनों सहित युवा एवं महिला संगठनों के सदस्य बडी संख्या में शामिल होंगे।

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर चातुर्मास कर रहे मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शनिवार, 24 अगस्त को दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाले इस शपथ ग्रहण एवं झाँकी सम्मान समारोह के बहुरंगीय बैनर पोस्टर का विमोचन शुक्रवार 23 अगस्त को मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में हुआ। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, समारोह के मुख्य समन्वयक राकेश गोधा, जिला कमेटी के अध्यक्ष संजय पाण्डया, कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महामंत्री सुभाष बज, मीरामार्ग दिगम्बर जैन मंदिर के मंत्री एवं युवा महासभा के मानसरोवर सम्भाग के महामंत्री राजेन्द्र सेठी सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए।

राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार को दोपहर 2 बजे से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद सुनील पहाड़िया होगें।समारोह की अध्यक्षता दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुधान्शु कासलीवाल करेगें। समारोह में दीप प्रज्जवलन समाजश्रेष्ठी प्रदीप चूडीवाल निखार फैशन्स करेगें। समाजश्रेष्ठी विवेक काला, सुरेश सबलावत, अशोक चांदवाड, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन दौसा, जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन मुम्बई के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन समारोह गौरव होगें।

मुख्य समन्वयक राकेश गोधा ने बताया कि इस मौके पर चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद पक्षालन, शास्त्र भेंट के बाद नवनिर्वाचित जिला कमेटी को अतिथियों द्वारा कर्तव्य पथ पर चलने की शपथ दिलाई जाएगी। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें।समारोह के अन्त में सुगंध दशमी पर्व 2023 के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई गई झांकियों को जोनवार सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद तथा मीरामार्ग मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी का सम्मान भी किया जाएगा। समारोह के लिए राकेश गोधा को मुख्य समन्वयक, रवि प्रकाश जैन, मनीष बैद एवं सी एस जैन को मुख्य संयोजक एवं धीरज पाटनी, जितेश लुहाडिया, नवराज जैन को संयोजक बनाया गया है।

-विनोद जैन कोटखावदा

तिरंगे झंडे व तोरण को सम्मान पूर्वक उतारने की अपील

रायपुर (विश्व परिवार)। तिरंगा वंदन मंच के संयोजक मुकेश शाह ने लोगों से अपील की है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत लहराए गए अथवा विभिन्न स्थलों पर लगाए गए तिरंगे झंडों को अब सम्मान पूर्वक उतारकर इसकी गरिमा बनाए रखे। केन्द्र शासन की अपील पर 9 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के परिपेक्ष्य में लोगों ने अपने घरों व सोसायटियों की छतों पर, सार्वजनिक जगहों पर, संस्थाओं, पूजा स्थलों, सामाजिक भवनों पर उत्साहपूर्वक तिरंगा झंडा लहराया और कागजों से बने तिरंगा वाले तोरणों से माहौल भी बनाया। किन्तु कई जगहों पर तिरंगे झंडे बारिश, आंधी-तूफान व ध्यान न दिये जाने की वजह से गीले हो गए, फट रहे हैं। तिरछे हो गये हैं अथवा असम्मान जनक ढंग से लटक गये हैं। कई जगह पर तिरंगे के तोरण भी गिरने की स्थिति में है। तिरंगे झंडों को इस प्रकार से लगाए रखना इसका अपमान है व देश के राष्ट्रध्वज की गरिमा को कम करता है। मंच के संयोजक मुकेश शाह ने लोगों से अपील की है कि जगह-जगह इस ढंग से दिख रहे तिरंगे झंडों को उतारकर झंडे का सम्मान बरकरार रखें। जिन सामाजिक व समाजसेवी संगठनों ने सार्वजनिक स्थलों पर झंडा फहराया हों अथवा लोगों ने घरों में व आसपास फहराया हों वे भी कृपया झंडे की गरिमा को ध्यान में रखकर सम्मानपूर्वक उतार लें।

कट-फट रहे और बेतरतीब लटक रहे झंडे

माता कौशल्या संग तीजा त्यौहार में राजेश्री प्रथम आरती में होंगे सम्मिलित

रायपुर (विश्व परिवार)। चित्रोत्पला लोक कला परिषद और नगर पंचायत चंदखुरी जिला रायपुर के ग्रामवासियों के संयुक्त प्रयास से दिनांक 2 सितंबर से 7 सितंबर 2024 तक, भगवान श्री राम के ननिहाल अर्थात माता कौशल्या की जन्मस्थली चंदखुरी में आयोजित किया जा रहे माता कौशल्या संग तीजा तिहार कार्यक्रम के पहले दिन अर्थात माता कौशल्या की मूर्ति के स्थापना के समय मंगलवार दिनांक 3 सितंबर को पहली आरती के अवसर पर दूधाधारी मठ के प्रधान राजेश्री महंत डॉक्टर रामसुंदर दास जी उपस्थित रहेंगे और पहली आरती उनके द्वारा की जाएगी।

आयोजकों द्वारा कार्यक्रम के व्यवस्था के संबंध में जोरशोर से कार्य शुरू कर दिए गए हैं और लोगों को निमंत्रण देने का काम भी आरंभ किया जा चुका है। आज इसी क्रम में अशोक तिवारी, राकेश तिवारी और डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर ने दूधाधारी मठ जाकर राजेश्री महंत जी को निमंत्रण पत्र भेंट किया तथा उनसे 3 सितंबर की आरती में पधारने हेतु निवेदन किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। आयोजकों ने बताया कि इस छह दिवसीय आयोजन में प्रत्येक दिन कोई विशिष्ट अतिथि आरती के समय उपस्थित रहेंगे। इन सभी दिनों में अलग-अलग धार्मिक सांस्कृतिक गतिविधियां तो होगी ही साथ ही प्रसाद में केवल ठेठरी खुरमी जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजन ही लोगों को वितरित किए जाएंगे। मूर्ति निर्माण के लिए मिट्टी को अयोध्या से लाकर सुप्रसिद्ध मूर्तिकार पीरु राम जी को सौंप दिया गया है।मूर्ति निर्माण लगभग पूरा हो गया है। 2 तारीख को उसकी चंदखुरी में स्थापना की जाएगी, तब से लेकर 7 सितंबर तक नियमित पूजा अर्चना और आरती की जाएगी।वरिष्ठ कलाकार राकेश तिवारी ने आयोजन के लिए विशेष रूप से छत्तीसगढ़ी में माता कौशल्या की आरती तैयार कर रिकॉर्ड की है और उनकी सेवा में कुछ छत्तीसगढ़ी में भजन भी तैयार किए हैं। आयोजन का यह दूसरा वर्ष है और यह कोशिश की जा रही है इस वर्ष का आयोजन पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा सफल हो सके।

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन होगा 25 को, एसपी एवं जिला पंचायत सीओ के हाथों बच्चे होंगे सम्मानित

सिद्धचक्र महा मंडल में हुई कलशों की स्थापना

अशोक नगर (विश्व परिवार)। श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में जिले के प्रतिभाशाली छात्र छात्रों को श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति 25 अगस्त को एक विशेष समारोह में सम्मानित करेंगे इस समारोह में जिला पुलिस अधीक्षक श्री विनीत कुमार एवं जिला पंचायत सी ई ओ डां नेहा जैन के मुख्य आतिथ्य एवं नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया के विशेष आतिथ्य में होगा।

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि इस हेतु श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की एक बैठक संस्थापक अध्यक्ष इन्दु गांधी के निवास पर अध्यक्ष श्री मति सुनीता चौधरी की अध्यक्षता में रखी गई और समारोह के सभी विन्दुओ पर किया गया पच्चीस अगस्त को दोपहर 2 वजे से जैन भवन शान्ति नगर में होने वाले इस समारोह में जैन समाज अशोक नगर अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद को विशेष अतिथि के रूप में साथी मध्यांचल से पधारे ने वाले अतिथियों को विशेष स्थान दिया जाएगा।

सिद्धा चक महा मंडल में हुई कलशों की स्थापना : पार्श्वनाथ मंदिर में चल रहे श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में आज मंडल पर प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया नरेश भ इया के मंत्रोच्चार के वीच महा मंगल की स्थापना मैन सुन्दरी श्री पाल राजा सुरेशचंद्र सुनील कुमार संजीवकुमार रिक्कू ओडेर सौ धर्म इन्द्र सुभाष कुमार राहुल कुमार पिपरई धनकुबेर संजीव कुमार मनीष कुमार महावीर टी महा यज्ञ नायक इंजिनियर अनिल कुमार जैन इंसान इन्द्र विनोद कुमार लोकेश कुमार अंकित सन्तूरा सनत इन्द्र कमलेश कुमार सचिन कुमार एन एस महेंद्र इन्द्र प्रमोद कुमार प्रसुन कुमार मंगलदीप ब्रह्म इन्द्र एस के जैन द्वारा की गई। इसके साथ ही मंगलकलशो की स्थापना सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा एवं शान्ति कलशों की स्थापना विभिन्न श्रद्धालुओं द्वारा की गई।

हुआ विभिन्न रसों का आयोजन : जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि इसके पहले श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान के सभी मुख्य पात्रो की मेहंदी हल्दी की रस्में की गई इसके साथ ही भक्ति गीतों का? आयोजन किया गया महामंडल विधान के दौरान मंडल पर आठ अर्घो का समर्पण बड़े भक्ति भाव के साथ किया गया इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने गंधकुटी दर्शन लाभ लिया। **-विजय धुर्रा**

अनियमित बारिश होने पर भी रायपुर संभाग में नहीं पड़ेगी सिंचाई के लिए पानी की कमी

संभागायुक्त कावरे ने बांधो-जलाशयों में जल भराव की समीक्षा की, दिए जरूरी निर्देश

रायपुर संभाग के जलाशयों में औसतन 90 प्रतिशत पानी भरा, नहरों में पानी भी छोड़ा गया

रायपुर (विश्व परिवार)। बारिश कम होने या अनियमित होने पर भी रायपुर संभाग के किसानों को अपनी फसलों मे सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा। रायपुर संभाग के बांधों और जलाशयों में अब तक हुई बारिश के हिसाब से लगभग 90 प्रतिशत औसतन जल भराव हो चुका है। संभागायुक्त श्री महादेव कावरे ने आज इसकी समीक्षा की और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। श्री कावरे ने संभाग के बांधों और जलाशयों में अब तक भरे पानी की अलग-अलग जानकारी ली और आवश्यकता पड़ने पर किसानों के खेतों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि अब तक हुई बारिश से बांधों और जलाशयों में पर्याप्त जल भराव हो चुका है और अब आगे कम बारिश या अनियमित बारिश की स्थिति में किसानों की फसलें खराब नहीं होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में किसानों की मांग पर बांधों के गेट खोलकर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने विभाग तैयार रहें। श्री कावरे ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को बांधों में जल भराव की स्थिति पर लगातार नजर रखने और सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं भी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बड़े बांधों से अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने के पहले राजस्व विभाग के अधिकारियों को सूचित करने और मुनादी आदि कराकर प्रभावित क्षेत्रों में सूचना प्रसारित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रविशंकर सागर परियोजना काम्पलेक्स में अब तक 90 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। इस परियोजना से संभाग के रायपुर, धमतरी और बलौदा बाजार जिलों के 1300 से अधिक गांवों में लगभग 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर रकबे में सिंचाई होती है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि किसानों की मांग पर इस परियोजना से गेट खोलकर सिंचाई के लिए नहर में साढ़े पांच हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि गरियाबंद जिले की सिकासार परियोजना में 95 प्रतिशत जल भराव हुआ है।

महाराष्ट्र मंडल की महिला प्रतिनिधि परिषद ने महिलाओं पर हो रही बर्बरता के खिलाफ डिप्टी कलेक्टर रजक को सौंपा ज्ञापन

चिकित्सा छात्रा से दुष्कर्म- हत्या के खिलाफ महाराष्ट्र मंडल की महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल अस्पताल में एक चिकित्सा छात्रा के साथ हुई बर्बरता से पूरा देश सदमे में है। इस घटना ने देशभर की महिलाओं की सुरक्षा पर भी सवालिया निशान खड़े किए हैं। इस घटना ने करीब डेढ़ दशक पहले हुए निर्भया कांड की याद दिला दी। हमारे शहर, समाज और आसपास के क्षेत्रों में आए दिन छोटी बच्चियां, छात्राएं, गृहणियां, कामकाजी युवतियां- महिलाएं और बुजुर्ग औरतें ऐसी ही बर्बरता का शिकार हो रही हैं।

महाराष्ट्र मंडल की कार्यकारिणी सदस्यों सहित महिला केंद्रों व विभिन्न समितियां की महिला प्रतिनिधियों ने शुक्रवार की शाम को कलेक्टोरेट परिसर में महिलाओं के प्रति होने वाले हिंसा के खिलाफ विरोध- प्रदर्शित किया। साथ ही ऐसी घटनाओं में दोषियों को न्यूनतम समय में कठोरतम दंड सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कानून बनाने की मांग की। महाराष्ट्र मंडल की महिला सदस्यों का मानना है कि ऐसे कानून से न केवल अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के हौसले पस्त होंगे, बल्कि महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस करते हुए देश की सेवा में अपना और अधिक योगदान दे सकेंगी।

महाराष्ट्र मंडल की उपाध्यक्ष गीता दलाल और महिला प्रमुख विशाखा तोपखानेवाले के नेतृत्व में महिला प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टोरेट में डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर नमिता शेष, आस्था काले, रश्मि गोवर्धन, अपर्णा देशमुख, अनिता नलगुंडवार, गीता हाटे, नीता भंडारकर, छाया महाजन, शुचिता देशमुख, सौ डेंगळे, गौरी क्षीरसागर, प्रिया बक्षी, रैना पुराणिक, आरती गोवर्धन, अंजलि नलगुंडवार, प्रणिता नलगुंडवार, अपर्णा मोघे, अपर्णा देशमुख, वंदना पाटिल, संध्या चौधरी, अर्चना मोघे, उपस्थित थीं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

विश्व मच्छर दिवस पर लोगों को किया गया जागरूक

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन पर जिला दंतेवाड़ा में ''विश्व मच्छर दिवस'' के उपलक्ष्य में जागरूकता रैली का किया गया। जिसमें मलेरिया व फाइलेरिया के परजीवी उन्मूलन एवं डेंगू, चिकनगुनिया, जिका एवं जापानीज इन्सेफेलाइटिस वायरस के नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए प्रचार प्रसार किया गया, जिसका उद्देश्य आमजन में मच्छरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, मच्छर फैलने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया आदि के बारे में जानकारी देना और उनसे बचाव के बारे में समझाया गया। मछर जनित रोगों की की रोकथाम, नियंत्रण और समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देना एवं आसपास साफ-सफाई रखना गड्ढे में जलभराव को रोकने हेतु मिट्टी से ढकने कहा गया। इस मौके पर मीडिया अधिकारी बी एस नेताम, विकास खण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक, जीवन नाग, मलेरिया सलाहकार संजय मंडावी, भूपेंद्र साहू, हंस तात ठाकुर, ब्लॉक मितानिन समन्वयक, मितानिन ट्रेनर एवं स्कूल के छात्र, छात्राएं शिक्षक उपस्थित थे।

महिला नक्सली कमांडर की माओवादियों ने की हत्या

जगदलपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बाद अब सीमावर्ती तेलंगाना राज्य के कोत्तागुड़ेम में नक्सलियों ने अपने ही साथी की मुखबिरी के आरोप में हत्या कर दी है। चेरला थाना क्षेत्र के चेन्नापुरम में नक्सलियों ने पुलिस के लिए मुखबिरी करने का आरोप लगाकर संगठन में सैन्य प्रशिक्षक व रक्षा बल की कमांडर महिला नक्सली नीलो उर्फ राधा को जनअदालत लगाकर मंगलवार को मार डाला। शव के पास नक्सलियों ने पर्चा भी छोड़ा है। पर्चे में लिखा गया है कि मृत नक्सली हैदराबाद की रहने वाली थी। नक्सल संगठन में भर्ती होने के बाद वह छत्तीसगढ़ सीमा से सटे आंध्रप्रदेश और ओडिशा में सक्रिय थी। नक्सलियों को संदेह था कि वह संगठन में रहते हुए पुलिस के लिए काम कर रही थी। एक सप्ताह के भीतर नक्सलियों की ओर से दूसरी बार साथी नक्सली की हत्या की गई है। 13 अगस्त को नक्सलियों ने बीजापुर जिले में दक्षिण बस्तर डिविजन में सक्रिय असिस्टेंट कमांडर कुरसम मनीष की जनअदालत लगातार हत्या की थी। उस पर पुलिस के खुफिया अफसरों को संगठन की गोपनीय जानकारी देने का आरोप लगाया गया था।

फोरम फॉर फास्ट जस्टिस के संभाग प्रमुख डीके सोनी को किया गया सम्मानित

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। सरगुजा संभाग के सुप्रसिद्ध आरटीआई एक्टिविस्ट एवं फारम फॉर फास्ट जस्टिस के संभाग प्रमुख डीके सोनी के भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए विदेश में 1 एवं देश में कुल 30 पुरस्कार मिलने पर नगर में फारम फॉर फास्ट जस्टिस के द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया जहां उन्हें शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी ने एक स्वर में उनके कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। फारम फॉर फास्ट जस्टिस के विकास दुबे एवं संतोष यादव ने कहा कि डीके सोनी विगत कई वर्षों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ रहे हैं उनके द्वारा सरगुजा संभाग में कई बड़े-बड़े भ्रष्टाचार के खुलासे किए गए। निश्चित रूप से भ्रष्टाचार के विरुद्ध उनके आवाज बुलंद करने से भ्रष्टाचार में लगाम लगा है। उनके कार्यों को आज पूरे देश में जाना जा रहा है विभिन्न मंचों से उन्हें सम्मानित किया जा रहा है यहां तक की विदेश में भी उन्हें सम्मान मिला। फारम फॉर फास्ट जस्टिस के मितेश केसरी एवं पियूष गुप्ता ने भी डीके सोने के कार्यों की जमकर प्रशंसा की उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में पूरा संभाग उनके साथ है।फारम फॉर फास्ट जस्टिस के बलरामपुर रामानुजगंज जिले के उपाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने कहा कि डीके सोनी के द्वारा जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ा जा रहा है निश्चित रूप से इसका फायदा पूरे समाज को मिल रहा है।इस दौरान फारम फार फास्ट जस्टिस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली बीएसपी प्रबंधन की बैठक

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने बीएसपी प्रबंधन से संबंधित मांगों एवं समस्याओं के निराकरण के संबंध में बुधवार 21 अगस्त को संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में बीएसपी प्रबंधन की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने बीएसपी के श्रमिकों, प्रभावित किसानों सहित दल्लीराजहरा नगर से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु समुचित कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर श्री चन्द्रकांत कौशिक, एसडीएम डौण्डी श्री रामकुमार सोनकर, जिला खनिज अधिकारी श्री मीनाक्षी साहू सहित बीएसपी के अधिकारियों के अलावा अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

विधायक रोहित साहू ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रोपे पौधे

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधों की देखभाल अपने बच्चों की तरह करने कि अपील भी की

गरियाबंद(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजिम विधायक रोहित साहू ने आज गरियाबंद के ग्राम पंचायत डोंगरीगाव के आश्रित ग्राम केशोडार दर्रापारा में पौधा रोपण किया। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव सहित स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भी पौधे लगाए। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वातावरण के लिए पौधे लगाकर उनका देखभाल अपने बच्चों की तरह करने कि अपील भी की। उन्होंने कहा कि प्रकृति से ही देश की प्रगति जुड़ी हुई है, ऐसे में एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा यह दायित्व बनता है कि हम भी पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन एवं सुरक्षा में अपना योगदान दें। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई एक पेड़ माँ के नाम अभियान में देश का हर नागरिक अपनी महती भूमिका निभा रहा है। यह अभियान हमारी माँ और धरती माँ के प्रति हमारी श्रद्धा के भाव को प्रकट कर रहा हैं। आज पूरे देश में हर व्यक्ति अपनी माँ और धरती माँ दोनों के नाम से पौधा लगाकर उन्हें प्रणाम कर रहा है। पर्यावरण स्वच्छ रह सके और बीमारियों से बचाव हो सके इसके लिए पर्यावरण को स्वच्छ रखना होगा। पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे। विधायक श्री साहू ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आने वाले पीढ़ियों को एक बेहतर एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए इस मुहिम से जरूर जुड़ें। विधायक श्री साहू ने कहा कि अपने घर, दफ्तर, स्कूल, कॉलेज, तालाब के किनारे जहां भी संभव हो एक पेड़ माँ के नाम जरूर लगाएं और वृक्ष बनने तक उसकी सुरक्षा का संकल्प जरूर करें। अभियान के तहत पूरे देश में लाखों की तादाद में वृक्षारोपण किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में पर्यावरण को हो रहे नुकसान को कम किया जा सके। यदि हम अपने माँ के नाम से पेड़ लगाएंगे तो उसमें हमारी भावना भी जुडी होगी,जिससे पेड़ की अच्छी देख-भाल होगी। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर हर प्राणी को जीने के लिए ऑक्सीजन की जरुरत होती है जो पेड़ से मिलती है। उन्होंने कहा कि स्वयं पेड़ लगाएं एवं समाज के लोगों को भी पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करे। इस दौरान सदस्य जिला पंचायत गरियाबंद श्री चन्द्र शेखर साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत गरियाबंद श्रीमती लालिमा ठाकुर, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत गरियाबंद श्री प्रवीण यादव, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका गरियाबंद श्रीमती मिलेश्वरी साहू, वरिष्ठ नागरिक श्री अनिल चंद्राकर, जनपद सीईओ श्री अमजद जाफ्री सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण मौजूद रहे।

साइकिल से चार धाम और 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले यूपी के रोमित योगी रामानुजगंज पहुंचे

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। उत्तर प्रदेश के साम्बली जिला के कैराना विधानसभा के ग्राम शीतलगढ़ी के निवासी 25 वर्षीय रोमित योगी चार धाम और 12 ज्योतिर्लिंग एवं संपूर्ण भारत यात्रा पर साइकिल से 12 मई 2024 से निकले हुए है।जो बीती रात रामानुजगंज झारखंड होते पहुंचे। साइकिल यात्रा से निकले 100 में दिन रामानुजगंज पहुंचे रोमित योगी ने बताया कि पहले भी मैंने तीर्थ यात्रा की है परंतु वाहन एवं ट्रेन से की है परंतु प्रकृति से मुझे प्रेम रहने के कारण मैं साइकिल से निकला ताकि अनावश्यक रूप से ईंधन का वहन न हो और वातावरण प्रदूषित न हो प्रतिदिन 60 से 70 किलोमीटर साइकिल से यात्रा संभव हो पता है। उन्होंने बताया कि बाबा केदारनाथ बद्रीनाथ, यमुनोत्री,गंगोत्री, बाबा काशी विश्वनाथ,बैजनाथ धाम सहित अन्य धामो के दर्शन करते हुए यहां तक पहुंचा हूं। यहां के बाद उज्जैन, ओंकारेश्वर सोमनाथ, नागेश्वर महाराष्ट्र में भीमाशंकर इस प्रकार से यात्रा मेरी चलती रहेगी। रामानुजगंज में नगर पंचायत के कर्मचारी अजय गुप्ता के द्वारा रुकने एवं भोजन की व्यवस्था कराई। टेंट की भी व्यवस्था लेकर चलते हैं..... रोमित योगी बताते हैं कि ऐसे तो हर जगह मंदिर में रुकने की जगह मिल जाती है परंतु कई बार ऐसी आपात स्थिति होती है कि वह व्यवस्था नहीं मिल पाती है ऐसे में टेंट भी साथ में लेकर चलता हूं टेंट लगाकर भी सोने की व्यवस्था हो जाती है। गंगोत्री से जल लेकर रामेश्वरम तक जलाभिषेक करेंगे..... रोमित योगी ने बताया कि गंगोत्री से जल लेकर जलाभिषेक रामेश्वरम में करेंगे इस दौरान कई हजार किलोमीटर की यात्रा तय करनी पड़ेगी।

कलेक्टर हरिस एस.ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

स्वच्छता एवं साफसफाई बनाए रखने के दिए निर्देश

सुकमा(विश्व परिवार)। गुरूवार को कलेक्टर श्री हरिस.एस ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के आपातकालीन विभाग, सर्जिकल वार्ड, शिशु वार्ड, नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई, पोषण पुनर्वास केंद्र, गायनिक वार्ड, ओपीडी सहित एक्स-रे कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, पैथोलॉजी लैब का भ्रमण किया और यहां भर्ती मरीजों एवं संबंधित डाक्टरों से मरीजों के इलाज के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। वार्डों में भर्ती मरीजों से रूबरू चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधा के संबंध में जानकारी ली और मरीजों की बेहतर निगरानी और उपचार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल में चिकित्सक सहित अन्य स्टॉफ की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए मरीजों का समय पर उपचार करने तथा जिला चिकित्सालय में स्वच्छता एवं साफ-सफाई बनाए रखने और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर जिला अस्पताल परिसर में 20 बेड पोषण पुनर्वास केंद्र की गुणवत्ता एवं कक्ष के उपयोग का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान गुणवत्ताहीन शौचालय निर्माण, प्लास्टर, केंद्र की पोताई नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने शीघ्र ही व्यवस्था सुधार कर, केंद्र का नाम, भवन की पोताई कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. महेश सांडिया सहित अन्य चिकित्सकगण एवं स्टॉफ उपस्थित थे।

जिले के 87 श्रद्धालु श्रीरामलला दर्शन के लिए रवाना हुए अयोध्या धाम

जगदलपुर(विश्व परिवार)। राज्य शासन की श्री रामलला दर्शन योजनान्तर्गत जिले के 87 श्रद्धालु बुधवार को श्री रामलला दर्शन के लिए जय श्रीराम उद्घोष के साथ अयोध्या धाम रवाना हुए। इस मौके पर बस्तर सांसद महेश कश्यप और अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय टाऊन हॉल परिसर में हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं के बस को रवाना किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को पुष्प भेंटकर उन्हें श्री रामलला दर्शन हेतु बधाई दी गई। इस मौके पर सांसद ने सभी श्रद्धालुओं को सकुशल यात्रा की बधाई देते हुए कोई भी दिक्कत होने पर अपने सहयोगी एवं कर्मचारियों से तुरंत सम्पर्क करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में चार आश्रम का पालन किया जाता है, सबका साथ,सबका विकास के साथ बस्तर की जनता को धार्मिक स्थल का भ्रमण करवाने की योजना संचालित कर लाभ दिया है।भगवान राम का नाता छत्तीसगढ़ से रहा है हमारा राज्य तो उनका ननिहाल है और वनवास के दौरान लगभग 12 साल हमारे दण्डकारण्य में गुजारे है। इस रामलला दर्शन योजना से सरकार ने आम जनों को भगवान राम से जोड़ने की पहल की इसके लिए आभार। इस दौरान आधिकारियों अवगत कराया कि इस योजनान्तर्गत 87 श्रद्धालुओं को लाभान्वित किया जा रहा है। इन सभी का स्वास्थ्य रिकार्ड पहले ही लिया गया है और यात्रा के पूर्व भी स्वास्थ्य जांच किया गया है। इन श्रद्धालुओं के साथ उनके सहयोगी भी जा रहे हैं साथ ही प्रशासन द्वारा समुचित देखभाल के लिए कर्मचारियों की नामजद ड्यूटी लगाई गई है।

कलेक्टर धर्मेश साहू ने नर्सिंग होम एवं आयुष्मान कार्ड ब्लॉकिंग में गड़बड़ी पर निगरानी रखने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति सह विभागीय समीक्षा बैठक बुधवार की शाम को आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला ने स्वास्थ्य सूचकांकों तथा विभाग में चल रहे विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कलेक्टर साहू ने राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अनुपातिक लक्ष्य अनुरूप कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिले के तीनों ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास संचालित जन औषधि केंद्र को सक्रियता से संचालित करने के निर्देश दिए। हमर लैब सारंगढ़ को राज्य से प्राप्त टेस्टिंग इंस्ट्रूमेंट्स को तत्काल इंस्टॉल कर जांच प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। जिले में शासकीय अस्पताल से अधिक निजी अस्पतालों में प्रसव होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों को क्रियाशील करते हुए समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रति महीना 10 एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में प्रति महीना तीन प्रसव कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग में चल रहे निर्माण कार्यों में देरी या अपूर्णता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण एजेंसी सीजीएमएससी को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से संचालित योजनाएं जैसे चिरायु टीम के द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, कृमि नाशक गोली एवं सप्ताहिक आयरन गोली का सेवन कार्यक्रमों में नोडल शिक्षक नियुक्त कर कार्यक्रमों की रिकॉर्ड संधारण करने एवं कार्यक्रम के सुचारु क्रियान्वयन के निर्देश दिए। जिले में संचालित समस्त निजी नर्सिंग होम के नियमित निगरानी करने एवं नर्सिंग होम एक्ट के मापदंड में किसी प्रकार की कमी पाए जाने तथा फर्जी मरीजों का आयुष्मान ब्लॉकिंग पर कड़ी निगरानी रखने हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

हानिकारक गाजर घास को समूल नष्ट करने कृषकों को किया गया जागरूक

कांकेर(विश्व परिवार)। गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह का आयोजन 16 अगस्त से 22 अगस्त तक कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना खरपतवार प्रबंधन के तत्वावधान में किया गया। इसके तहत गाजरघास उन्मूलन हेतु ग्राम पुसवाड़ा एवं सिंगारभाट में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नितीश तिवारी ने गाजर घास के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि गाजरघास का प्रकोप पिछले कुछ वर्षों से सभी प्रकार की खाद्यान्न फसलों, सब्जियां एवं उद्यानों में भी बढ़ता जा रहा है। गाजरघास का पौधा 3-4 महीने में अपना जीवन चक्र पूरा कर लेता है तथा एक वर्ष में इसकी 3-4 पीढ़िया पूरी होती जाती है। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीरबल साहू ने बताया कि वर्षा ऋतु में गाजरघास को फूल आने से पहले जड़ से उखाड़कर कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाना चाहिए व अकृषित क्षेत्रों में शाकनाशी रसायन जैसे ग्लायफोसेट 1.5-2.0 प्रतिशत या मेट्रीब्यूजिन 0.3-0.5 प्रतिशत घोल का फूल आने के पहले छिड़काव करने से गाजरघास नष्ट हो जाती है। गाजरघास का एक पौधा 10,000 से 25,000 अत्यंत सूक्ष्म बीज पैदा कर सकता है एवं पूरे वर्ष भर उगता एवं फलता-फूलता रहता है। उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कोमरा ने कृषकों को विभागीय योजनाओं एवं समसमायिक जानकारी प्रदान की तथा गाजरघास को समूल नष्ट करने के लिए कृषकों को जागरूक होने आह्वान किया। वैज्ञानिक डॉ. सी. एल. ठाकुर ने गाजरघास के दुष्प्रभाव के बारे में बताया कि इसके सम्पर्क में आने से मनुष्यों में त्वचा संबंधी रोग जैसे एक्जिमा, एलर्जी, बुखार एवं दमा आदि बीमारियां होती हैं। अत्यधिक प्रभाव होने पर मनुष्य की मृत्यु तक हो जाती है तथा पशुओं के लिए भी यह खरपतवार अत्यधिक विषाक्त होता है।

हाथी के हमले से एक महिला की मौत, एक बुरी तरह जख्मी

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिले के पांडुका रेंज में एक बार फिर दंतैल हाथी का आतंक देखने को मिला है. जानकारी के मुताबिक, दो महिलाएं जंगली मशरूम तोड़ने जंगल गए थे. इस दौरान दंतैल हाथी ने एक महिला को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया. वहीं एक महिला घायल है. इस घटना में पोंड निवासी बरमत बाई कमार की मौत हुई है. वहीं मंगली बाई हमले से बुरी तरह जख्मी हो गई है, जिसे जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर कर दिया गया है. घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. इस घटना के बाद विभाग ने पोंड, कूकदा, नागझर सहित 10 से अधिक गांव में अलर्ट जारी कर किया. बता दें कि दंतैल हाथी चंदा दल से बिछड़ कर बीते एक माह से पंडुका व फिंगेश्वर रेंज इलाके में लगातार घूम रहा है. महिलाओं पर हमला के बाद हाथी उसी स्थल के आसपास मौजूद है, जिसके कारण मृतिका का शव लाने में वन अमला को संघर्ष करना पड़ रहा है. लगातार हो रही घटना के चलते इलाके में दहशत का माहौल भी है.

व्यापार समाचार

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी वॉच में इरेगुलर हार्ट रिदम नोटीफिकेशन का फीचर पेश किया

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी वॉच के लिए सैमसंग हेल्थ मॉनिटर ऐप पर इरेगुलर हार्ट रिदम नोटीफिकेशन (IHRN) फीचर पेश करने की घोषणा की है । ऐप के मौजूदा ब्लड प्रेशर और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG) मॉनिटरिंग फीचर्स के साथ, यह नया फीचर एट्रियल फिब्रिलेशन (AFib) का संकेत देने वाली हार्ट रिदम का पता लगाने में मदद करता है। इससे गैलेक्सी वॉच पहनने वालों को उनके हृदय की सेहत के बारे में ज्यादा बेहतर जानकारी मिलती है। सैमसंग हेल्थ मॉनिटर ऐप में एक्टिव होने के बाद, IHRN फीचर गैलेक्सी वॉच के बायोएक्टिव सेंसर का इस्तेमाल करके बैकग्राउंड में अनियमित हृदय गति (इरेगुलर हार्ट रिदम) की लगातार जांच करता है। अगर लगातार माप की एक निश्चित संख्या अनियमित पाई जाती है, तो गैलेक्सी वॉच अपने यूजर्स को संभावित AFib एक्टिविटी की चेतावनी देता है और यूजर को अधिक सटीक माप के लिए अपनी घड़ी का इस्तेमाल करके ईसीजी लेने की सलाह देता है। मौजूदा रक्तचाप और हृदय गति की निगरानी के साथ, यह नया फीचर यूजर्स को उनके हृदय के स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा गहन जानकारी प्रदान करता है। हृदय संबंधी रोग दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। AFib उस स्थिति को कहते हैं जिसमें हार्ट रिदम अनियमित हो जाती है। इसको आमतौर पर हृदय संबंधी समस्याओं के एक चेतावनी संकेत के रूप में लिया जाता है। AFib की स्थिति में स्ट्रोक, हार्ट फेलियर और अन्य जटिलताओं का जोखिम बढ़ जाता है। इसके अलावा, AFib के कई मामलों में कोई लक्षण नहीं दिखते या यहां तक कि ये लक्षण एकदम साइलेंट होते हैं, जिससे लोग अपने सामने खड़े खतरे से बिल्कुल अनजान रहते हैं।

सैमसंग त्यौहारों से पहले भारत में लॉन्च करेगा 10 एआई वाशिंग मशीनें

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यू मर इलेक्ट्रॉ निक्स ब्रैंड, सैमसंग ने इस साल त्यौगहारों के सीजन के लिये 10 वाशिंग मशीनें पेश करने की अपनी योजना की घोषणा की है। कंपनी ने हाल ही में अपनी आगामी फ्रंट-लोड एआई-पावर्ड वाशिंग मशीनों का टीज़र दिखाया था। यह मशीनें इस महीने के आखिर में लॉन्चा की जाएंगी। नई एआई-पावर्ड वाशिंग मशीनें भारतीय ग्राहकों के लिए कंपनी के घरेलू उपकरणों की प्रीमियम बीस्पो क एआई रेंज का हिस्साा हैं। इन मशीनों में बेहतर कनेक्टिविटी दी गई है और यह इंटेलिजेंट तथा सहज समाधानों के साथ शानदार अनुभव देती हैं। यह सभी मिलकर स्मा र्ट घर के अनुभव में बदलाव लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक वक्त व्य में सैमसंग इंडिया ने कहा, ''इस साल त्यौंहारों के सीजन से पहले सैमसंग भारत में निर्मित एआई-पावर्ड वाशिंग मशीनों की एक रोमांचक श्रृंखला लॉन्चे करेगी। नई श्रृंखला में 10 मॉडल होंगे और इनमें मौजूद एआई इनोवेशन कपड़े धोने की पूरी प्रक्रिया को आसान बनाएंगे। यह सीरीज लॉन्ड्री के बाजार में एक गेम चेंजर बन सकती है और इससे सैमसंग इंडिया की वाशिंग मशीनों के पोर्टफोलियो का विस्ताकर होगा।'' सैमसंग इंडिया ने कहा कि जल्द ही लॉन्चआ होने जा रही ये वाशिंग मशीनें कपड़े धोने में लगने वाली मेहनत को करेंगी और ये एआई-पावर्ड फीचर्स से लैस होंगी।

ब्लैकस्टोन की मालिकी वाली इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) ने आईपीओ से 4,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिएए सेबी के पास डीआरएचपी फाइल किया

रायपुर। ब्लैकस्टोन पोर्टफोलियो कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए सेबी के पास अपना डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी प्राकृतिक हीरे, प्रयोगशाला में तैयार किए गए हीरे, जड़े हुए आभूषण और रंगीन पत्थरों के प्रमाणीकरण और मान्यता के साथ-साथ शैक्षिक कार्यक्रमों की पेशकश से संबंधित सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी का प्रमोटर बीसीपी एशिया II टॉपकॉप्टे लिमिटेड है, (ब्लैकस्टोन के सहयोगियों द्वारा प्रबंधित और/या सलाह दी जाने वाली निधियों की एक सहयोगी कंपनी)। सार्वजनिक निर्गम में अंकित मूल्य 2 रुपये प्रति शेयर का 1,250 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और 2,750 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल शामिल है। ऑफर फॉर सेल में प्रमोटर विक्रय शेयरधारक BCP एशिया II टॉपको प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2,750 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर की बिक्री शामिल है। इस ऑफर में पात्र कर्मचारियों के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का आरक्षित हिस्सा शामिल है। कंपनी ने (a) प्रमोटर से IGI बेल्जियम समूह और IGI नीदरलैंड समूह के अधिग्रहण के लिए खरीद के भुगतान; और (b) सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है।

जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड ने सलमान खान को ब्रांड एंबेसडर बनाया

रायपुर। जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड (बीएसई: 531449, एनएसई: GRMOVER), बासमती राइस के एक प्रसिद्ध भारतीय निर्यातक और एफएमसीजी (FMCG) सेक्टर में एक प्रमुख खिलाड़ी, इट्स बासमती चावल और गेहूं का आटे के लिए अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को साइन करने की घोषणा करते हुए रोमांचित है। जीआरएम (GRM) के टार्गेट मार्केट जियोग्राफीज़ और डेमोग्राफीज़ के लोगों के बीच सलमान खान की लोकप्रियता 10ङ्ग के साथ बिल्कुल फिट बैठती है। सलमान खान सिर्फएक प्रिय अभिनेता नहीं हैं; वह पूरे भारत और उसके बाहर फैले मैसिव फैन बेस के साथ एक कल्चर आइकन हैं। उनकी अद्वितीय लोकप्रियता, उनके भरोसेमंद और व्यावहारिक व्यक्तित्व के साथ मिलकर उन्हें जीआरएम के लिए एक आदर्श एंबेसडर बनाती है। उनका प्रभाव सिल्वर स्क्रीन से भी दूर तक फैला हुआ है, जो भारत के अर्बन सेंटर्स से लेकर रूरल इलाकों तक और मीडिल ईस्ट जैसे प्रमुख एक्सपोर्ट मार्केट में विभिन्न डेमोग्राफीज़ के दर्शकों के बीच गूंजता है। एक फाइटर और चैलेंजर के रूप में सलमान खान का व्यक्तित्व जीआरएम के 10ङ्ग ब्रांड के एसेंस को दर्शाता है। जिस तरह सलमान स्क्रीन पर कई चुनौतियों का सामना करते और उनसे पार पाते नज़र आते हैं।

ऐतिहासिक ओलंपिक के बाद अर्चना कामथ ने शिक्षा के लिए टेबल टेनिस छोड़ दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की शीर्ष पैडलर अर्चना कामथ ने शिक्षा के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए टेबल टेनिस छोड़ दिया है। 24 वर्षीय ओलंपियन, जो पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचने वाली भारत की महिला टीम की प्रमुख सदस्य थीं, ने कहा कि उनका निर्णय पूरी तरह से पढ़ाई के प्रति उनके प्यार से प्रेरित है। उसने मिशिगन , जहां वह वर्तमान में पढ़ रही है,से ने बताया, अगर मैंने प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस से संन्यास ले लिया है, तो यह केवल और केवल शिक्षा के प्रति मेरे जुनून के कारण है। वित्तीय सहित असाधारण समर्थन प्राप्त करने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकती हूं कि यह किसी भी तरह से वित्तीय निर्णय नहीं था। कामथ ने भारत की टीम को पेरिस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो भारतीय टेबल टेनिस के लिए एक मील का पत्थर था। जर्मनी से कड़ी हार के बावजूद, कामथ एकमात्र उज्ज्वल स्थान थीं, जिन्होंने उच्च रैंकिंग वाली ज़ियाओना शान के खिलाफ जीत हासिल की। कामथ के जाने से भारत में टेबल टेनिस को आगे बढ़ाने की वित्तीय व्यवहार्यता पर सवाल उठे, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय चिंताओं ने उनके निर्णय में कोई भूमिका नहीं निभाई। कामथ ने बताया, टेबल टेनिस के साथ मेरे 15 साल शानदार रहे हैं और अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का मौका मिलने से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। यह एक अद्भुत खेल है जिसे मुझे लंबे समय तक खेलने का सौभाग्य मिला है और इसके प्रति मेरा प्यार जारी है। उन्होंने अपने करियर के दौरान मिले व्यापक समर्थन पर जोर दिया और अपनी यात्रा में सहयोग के लिए ओजीक्यू, टॉप्स और इंडियन ऑयल जैसे संगठनों की सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे उस मोर्चे पर शिकायत करने का न तो अधिकार है और न ही इसकी इच्छा है - ऐसा करना उन एथलीटों के लिए बेहद अनुचित होगा जिन्होंने वास्तव में समर्थन के अभाव में संघर्ष किया है।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का कोच बना आर श्रीधर, टीम इंडिया को दे चुका है कोचिंग

नईदिल्ली(एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने अपनी कोचिंग सेटअप में बड़ा बदलाव किया है. एशिया की सबसे तेजी मजबूत हो रही क्रिकेट टीम ने अपनी कोचिंग टीम में एक भारतीय को शामिल किया है. अफगान टीम उम्मीद कर रही है कि जिस तरह अजय जडेजा ने वनडे विश्व कप में उनके साथ काम करते हुए उनके प्रदर्शन के स्तर को उपर उठाया था उसी तरह ये भारतीय भी अपना योगदान देगा. अफगान टीम ने भारतीय दिग्गज आर श्रीधर को सहायक कोच बनाया है. 54 साल के आर श्रीधर को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए सहायक कोच के रुप में नियुक्त किया है. बता दें कि अफगानिस्तान को न्यूजीलैंड के साथ एक टेस्ट खेलना है जबकि साउथ अफ्रीका के साथ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है. ये दोनों ही सीरीज भारत में खेली जानी है. अफगानिस्तान टीम की सोशल मीडिया पोस्ट में ये भी कहा गया है कि वे श्रीधर के साथ लंबे समय के लिए काम करना चाहेंगे. इसका अर्थ यह हुआ कि अगर दोनों सीरीज में अफगानिस्तान का प्रदर्शन अच्छा रहता है तो फिर श्रीधर को लंबे समय तक अफगान टीम की कोचिंग का हिस्सा बनाया जा सकता है. आर श्रीधर कोचिंग की दुनिया में बड़ा नाम हैं. वे भारतीय टीम को भी कोचिंग दे चुके हैं. श्रीधर 2014 से लेकर 2021 तक भारतीय टीम के फिल्डिंग कोच रहे हैं. लेवल थ्री सर्टिफाइड कोच श्रीधर भारत की अंडर 19 टीम के सहायक कोच रहे हैं. आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ काम कर चुके हैं. त्रिपुरा क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रहे हैं.

लिजेल ली ने होबार्ट हरिकेंस के साथ दो साल का किया कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की पूर्व सलामी बल्लेबाज लिजेल ली ने होबार्ट हरिकेंस के साथ अपने जुड़ाव को आगे बढ़ाते हुए क्लब के साथ दो साल का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। लिजेल को डब्ल्यूबीबीएल के आगामी सीजनों के लिए विदेशी खिलाड़ियों के लिए प्री-ड्राफ्ट साइनिंग नियमों के तहत साइन किया गया है। लिजेल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद स्थायी रूप से तस्मानिया चली गईं और 2022 से डब्ल्यूबीबीएल में हरिकेंस के साथ जुड़ी हुई हैं। पिछले डब्ल्यूबीबीएल सीजन में, लिजेल ने 37.18 की औसत और 146.07 की स्ट्राइक रेट से 409 रन बनाए, जिसमें मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ नाबाद 101 रन की पारी भी शामिल थी। उन्हें होबार्ट हरिकेंस डब्ल्यूबीबीएल प्लेयर ऑफ द सीजन भी चुना गया था। लिजेल ने एक बयान में कहा, मुझे होबार्ट हरिकेंस के लिए खेलना बहुत पसंद है। मैं तस्मानिया में एक और सीजन के लिए ब्लंडस्टोन एरिना में लौटने के लिए उत्साहित हूँ! मुझे लगता है कि टीम ने पिछले सीजन में अच्छी प्रगति की है और मैं अपनी भूमिका और स्वाभाविक खेल खेलने के लिए बेताब हूं क्योंकि हम तस्मानिया और हरिकेंस को उनकी पहली डब्ल्यूबीबीएल ट्रॉफी दिलाना चाहते हैं। लिजेल भी निकोला कैरी, हीथर ग्राहम, रूथ जॉनस्टन, हेले सिल्वर-होम्स, एमी स्मिथ, लॉरेन स्मिथ, मौली स्ट्रानो, राचेल ट्रेनमैन और एलीस विलानी के साथ डब्ल्यूबीबीएल सीजन-10 से पहले कॉन्ट्रैक्ट के तहत हरिकेंस खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

इंडिगो पर दो अलग मामलों में लाखों रुपये का जुर्माना जानें अब क्या करेगी एयरलाइन कंपनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने इनपुट टैक्स क्रेडिट से जुड़े मामले पर शेयर बाजार के साथ अपनी प्रतिक्रिया शेयर की है। एयरलाइन कंपनी ने कहा कि वो इनपुट टैक्स क्रेडिट से जुड़े कुल 3,50,299 रुपये के जुर्माने वाले दो आदेशों को चुनौती देगी। बताते चलें कि ओडिशा में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के मामले में इंडिगो पर 1,77,046 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने शेयर बाजार एक्सचेंजों को दी सूचना में कहा, अपीलीय प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया है और वित्त वर्ष 2017-18 के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के कारण मांग को बरकरार रखा है। कंपनी ने कहा कि वह अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है। एक अन्य मामले में केरल में कंपनी पर 1,73,253 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया है कि टैक्स अधिकारी ने इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित उसके दावे को खारिज कर दिया है। इस मामले में कंपनी ने कहा कि वह उचित अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है। बुधवार को इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के शेयरों में मामूली गिरावट देखने को मिली थी और कंपनी के शेयर 0.08 प्रतिशत (3.50 रुपये की गिरावट के साथ 4298.70 रुपये के भाव पर बंद हुए थे। मंगलवार को कंपनी के शेयर 4302.20 रुपये के भाव पर बंद हुए थे और बुधवार को बढ़त के साथ 4314.95 रुपये के भाव पर खुले थे। बुधवार को कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर 4284.55 रुपये के छ्र4 स्2 से 4351.00 रुपये के छ्र4 ।द्धद्द्ध तक पहुंचे थे।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफने बेबीसाइंस आई.वी.एफके अधिग्रहण के साथ अपने क्लीनिकों का संख्या बढ़ा कर की 50

रायपुर : सी.के.बिरला ग्रुप (3 बिलियन डॉलर) की कंपनी और भारत के तीसरे सबसे बड़े आई.वी.एफ(ढ्ढङ्क्रस्न) नेटवर्क बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफने बेबीसाइंस आईवीएफक्लीनिक्स का अधिग्रहण कर कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में अपनी पकड़ मज़बूत की है। यह अधिग्रहण बिरला फर्टिलिटी और आईवीएफ की रणनीतिक विस्तार, जिसमें 500 करोड़ रुपये से अधिक की निवेश योजना के अंतर्गत एक प्रमुख कदम है। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने केरल में एआरएमसी आईवीएफ चेन का अधिग्रहण करने के तीन माह के अंदर यह कदम उठाया है। इस मौके पर, अवंति बिरला, संस्थापक, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने कहा, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ में हम कॉनसेप्शन के विज्ञान के साथ देखभाल (केयर) का मेल कराते हैं। मैं खुद अधिकाधिक दंपत्तियों (कपल्स) और महिलाओं के लिए इन सुविधाओं को सुलभ बनाने को लेकर प्रतिबद्ध हूं। साथ ही, हम प्रत्येक पेशेंट की व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखकर उपचार उपलब्ध कराते हैं जिसमें एडवांस्ड डायग्नॉस्टिक टेस्टिंग और डेटा द्वारा सिद्ध मेडिसिन शामिल है ताकि परिणामों को सर्वोत्तम बनाया जा सके। हम महिलाओं को अपनी फैमिली शुरू करने की आजादी चुनने में मदद देने के लिए फर्टिलिटी प्रीज़र्वेशन्स, एग फ्रीज़िंग और एम्ब्रयो फ्रीज़िंग जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी उपलब्ध कराते हैं। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि फर्टिलिटी स्पेश्यलिस्ट, एंड्रोलॉजिस्ट और काउंसलर्स मिलकर हमारे पेशेंट्स को शारीरिक तथा भावनात्मक रूप से सहयोग प्रदान करें। हमारे साथ वैश्विक स्तर पर जाने-माने डॉक्टर और दिग्गज फर्टिलिटी स्पेश्यलिस्ट बतौर सलाहकार जुड़े हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 157375 / निविदा सूचना क्र. 06/वलेलि / 2024-25, कवर्धा दिनांक 16.08.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 02.09.2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - कबीरधाम जिले के विकासखण्ड बोड़ला के छुहो जलाशय नहर का पुर्ननवीनीकरण, वेस्ट वियर में 01 नग सूटफाल निर्माण कार्य, स्लूस का मरम्मत कार्य एवं बांध में मिट्टी कार्य ।

अनुमानित लागत - रू. 205.94 लाख
(दिनांक 01.08.2010 के एस. ओ. आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 23.08.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है ।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-242501910/1

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-गरियाबंद
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
E-mail - eeresdvgariyaband@gmail.com
मैन्यूअल निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 02/2024-25 (द्वितीय आमंत्रण)
क्रमांक/1073/निविदा/ग्रा0यां0से0/2024-25 गरियाबंद दिनांक 22/08/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अतंर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित जीर्णोद्धार कार्य हेतु मैन्युअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

1 निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :- 02.09.2024
2 कार्यालय में निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि :- 04.09.2024
3 निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि :- 05.09.2024

निविदा निम्नानुसार है:-

स.क्र.	कार्य का नाम	प्रत्येक की लागत (लाख रू.में)	अमानत राशि
1	2	4	9
1	जीर्णोद्धार कार्य कन्या हाई स्कूल मैनपुर वि.ख मैनपुर	17.65	13500
2	जीर्णोद्धार कार्य शा.हायर सेकण्डरी स्कूल खड़मा वि.ख छुरा	18.95	14500
3	प्रा.शा नगरार भवन निर्माण कार्य वि.ख गरियाबंद	16.70	12500

उपरोक्त प्रत्येक निर्माण कार्यो की निविदा प्रपत्र का मूल्य 750 रूपये की डी.डी कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग गरियाबंद के नाम से संलग्न किया जाना है। जिसकी अंतिम तिथि 02.09.2024 है। निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://res.cg.gov.in में दिनांक 23.08.2024 से डाउनलोड की/देखी जा सकती है।

G-242501993/2

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग गरियाबंद

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हलषष्ठी की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों विशेषकर सभी माताओं को हलषष्ठी (कमरछठ) की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई बलरामजी के जन्मोत्सव के रूप में हलषष्ठी मनाई जाती है। छत्तीसगढ़ में यह त्यौहार कमरछठ के नाम से मनाया जाता है। इस दिन घरों और मंदिरों में तालाब के प्रतिरूप स्वरूप सगरी बनाई जाती है। महिलाएं इकट्ठा होकर पसहर चावल, काशी फूल, महुआ पत्ते, लाई अर्पित कर भगवान शिव और सगरी की पूजा-अर्चना करती हैं। इस दिन महिलाएं व्रत रखकर अपने बच्चों के स्वास्थ्य, लंबी उम्र और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि सभी माताओं की कामना पूरी हो, सभी बच्चे स्वस्थ और खुशहाल रहें।

कृष्ण जन्माष्टमी पर 27 अगस्त को गुढ़ियारी में सार्वजनिक दहीहांडी उत्सव

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी में जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियां जोरों शोरों से शुरू हो गई है। इस वर्ष जन्माष्टमी 26 अगस्त को है जिसके लिए राजधानी के मंदिरों में भी त्यौहार की व्यापक तैयारियां की जा रही है। मंदिरों को रंग-बिरंगे झालरों, फूलों और लाइटों से सजाया जा रहा है और साथ ही भगवान कृष्ण की मनमोहक झांकियां सजाई जा रही हैं। बता दे की छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी रायपुर की पावन भूमि गुढ़ियारी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सार्वजनिक दहीहांडी उत्सव समिति एवं श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट के विशेष सहयोग से भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर दिनांक 27 अगस्त-24, दिन मंगलवार को शाम 4 बजे से दही हांडी उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। समिति के संयोजक बसंत अग्रवाल एवं सह-संयोजक हेमेन्द्र साहू ने बताया कि इस आयोजन में प्रदेश सहित महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड तथा उड़ीसा सहित अन्य राज्यों से गोविंदा टोली प्रतिभागी के रूप में शामिल होने आ रहे है।

कार्यक्रम में विजेता टोली को पुरस्कार स्वरूप 751000 रूपये की इनाम राशि प्रदान की जाएगी। शेष प्रतिभागी टोलियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 11000 रूपये भी प्रदाय की जाएगी। यह उत्सव पुर्णत: नि:शुल्क एवं धार्मिक आयोजन है। समिति द्वारा कृष्ण भक्तों के मनोरंजन के लिए विश्वविख्यात शिव भजन गायक बाबा हंसराज रघुवंशी जी एवं छत्तीसगढ़ की लाड़ली बेटियां गरिमा-स्वर्णा दिवाकर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी तथा उड़ीसा के कलाकारों द्वारा घंटा बाजा का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

दही हांडी हेतु ग्रीस युक्त खम्भा एवं वृंदावन से आई कृष्ण लीला मण्डली की मनमोहक झांकी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण होगा। समिति द्वारा सभी गोविंदा टोलियों एवं आमजन की सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन के सहयोग से पुलिस व्यवस्था, प्राथमिक उपचार व्यवस्था व आपात स्थिति में एम्बुलेंस कि व्यवस्था की गई है। गोविंदा टोलियों की किसी भी प्रकार की दुर्घटना की जिम्मेदारी टोलियों की होगी, जिसमें समिति इसके लिए जिम्मेदार नहीं होने की घोषणा की है।

रामकृष्ण केयर अस्पताल ने छत्तीसगढ़ का पहला पीडियाट्रिक कैडेवर लीवर प्रत्यारोपण किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। रामकृष्ण केयर अस्पताल ने छत्तीसगढ़ का पहला पीडियाट्रिक कैडेवर लीवर प्रत्यारोपण किया गया। मण्डला का 11 वर्ष का एक बच्चा था, जो लिवर सिरोसिस नामक बीमारी से 06 वर्षों से ग्रसित था। बच्चे को पीलिया बना रहता था, पेट में पानी भर रहा था और बच्चा दिन-प्रतिदिन कमजोर होता चला जा रहा था। इसके लिये उसे लिवर प्रत्यारोपण की आवश्यकता थी, जिसकी जानकारी डॉक्टर द्वारा उनके परिजन को दी जा चुकी थी, परन्तु परिवार में कोई भी डोनर उपलब्ध न होने की वजह से लिवर प्रत्यारोपण नहीं हो पा रहा था। जिसकी वजह से लिवर के इलाज के लिये कई बड़े शहरों में भटक रहा था, जिसके बाद यह मरीज रामकृष्ण केयर अस्पताल आया जिसका पिछले 2 महीने से इलाज किया जा रहा था और मरीज ने कैडावेरिक लिवर प्रत्यारोपण के लिये सोटो छत्तीसगढ़ की वेटिंग लिस्ट में अपना नाम पंजीयन कराया गया था।

छत्तीसगढ़ में एक मरीज ब्रेनडेड घोषित हुआ जिसके परिजनों ने मरीज के अंगदान करने की इच्छा जाहिर कर अंगदान करने के लिये सहमति प्रदान की, जिसकी सूचना अस्पताल प्रशासन ने सोटो छत्तीसगढ़ को दिया। जिसके बाद बच्चे के परिजन को जानकारी दी गई इसमें खास बात यह है कि बच्चे को जो लिवर लगाया गया वह बड़े उम्र के मरीज का पूरा लिवर था जो इस छोटे बच्चे को लगाया गया और सफलतापूर्वक लिवर प्रत्यारोपण किया गया और आज मरीज पूरी तरह से स्वस्थ्य है एवं अपनी नियमित दिनचर्या का जीवन-यापन कर पा रहा है।

डॉ. संदीप दवे मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मरीज का लिवर प्रत्यारोपण किया गया जिसके लिये मरीज ने विशेष धन्यवाद दिया एवं डॉ. एस.एन. मढ़रिया का योगदान रहा जिसकी वजह से मरीज को लिवर मिल सका और मरीज आज पूरी तरह से स्वस्थ्य है।

रामकृष्ण केयर अस्पताल के डॉक्टर्स की लिवर प्रत्यारोपण की टीम-डॉ. मो. अब्दुन नईम, डॉ. अजीत मिश्रा, डॉ. युक्तांश पांडे, डॉ. राजकुमार, डॉ. धीरज प्रेमचंदानी, डॉ. पारधासार्दी मेडिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी टीम -डॉ. संदीप पांडे, डॉ. ललित निहाल, क्रिटिकल केयर-डॉ. विशाल कुमार, आपातकालीन एवं ट्रामा विभाग-डॉ. संतोष सिंह, शिशु एवं बाल्य रोग विभाग- डॉ. पवन जैन, एवं एनेस्थिसिया विभाग-डॉ. सर्वेश लाल तथा ओटी, नर्सिंग एवं प्रत्यारोपण सहायक टीम का विशेष योगदान रहा जिसकी वजह से सफलतापूर्वक लिवर प्रत्यारोपण हो सका।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन रायपुर द्वारा 27 अगस्त को निधि आपके निकट 2.0 के अंतर्गत प्रदेश के 33 जिलों में कैम्प का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) द्वारा माह अगस्त 2024 में दिनांक 27.08.2024 को निधि आपके निकट 2.0 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी 33 जिलों में क्रमश: जनपद पंचायत बालोद, कम्पोजिट बिल्डिंग कलेक्टोरेट ऑफिस बलोदा बाज़ार, जिला पंचायत बलरामपुर, निर्मल हायर सेकेंडरी स्कूल जगदलपुर, जनपद पंचायत बेमेतरा, जिला पंचायत बीजापुर, जिला पंचायत बिलासपुर, एन एम डी सी ऑफिस किरंदुल, जनपद पंचायत धमतरी, ई एस आई सी राधिका नगर भिलाई-दुर्ग, जनपद पंचायत गरियाबंद, श्रम कार्यालय गोरेला-पेंड्रा-मरवाही, कलेक्टर परिसर जांजगीर, जनपद पंचायत जशपुर, जिला पंचायत कवर्धा, कलेक्टर परिसर कांकेर, जनपद पंचायत कार्यालय खैरागढ़, नगर पालिका निगम कोंडागांव, श्रम कार्यालय रामपुर कोरबा, नगर पालिका परिसद बैकुंठपुर कोरिया, जिला पंचायत महासमुंद, नगर निगम मनेन्द्रगढ़, कलेक्टोरेट कैंपस मोहला-मानपुर-चौकी, कलेक्टोरेट परिसर मुंगेली, जिला पंचायत कार्यालय नारायणपुर, ई एस आई सी कार्यालय रायगढ़, ई एस आई सी कार्यालय चौबे कॉलोनी रायपुर, ई एस आई सी कार्यालय वर्धमान नगर राजनांदगांव, जनपद पंचायत सारंगढ़, जिला पंचायत अंबिकापुर सुरगुजा, नगर पालिका परिषद् सक्ती, नगर पालिका कार्यालय सुकमा, जिला पंचायत सूरजपुरस्थानों पर कैम्प का आयोजन किया जाएगा। अत: समस्त नियोक्ताओं/अंशधारकों/पेंशनरों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं/शिकायतों के निराकरण हेतु उक्त स्थानों पर जिला नोडल अधिकारी से संपर्क करें।

पॉवर कंपनी में 41 एई की होगी विभागीय भर्ती

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में 41 असिस्टेंट इंजीनयिर ट्रेनी (सहायक अभियंता-प्रशिक्षु) के पदों पर सीमित विभागीय भर्ती परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसमें पॉवर कंपनी के नियमित पद पर कार्यरत जूनियर इंजीनियर (कनिष्ठ अभियंता) पात्र होंगे। वे अपने नियंत्रणकर्ता कार्यालय में 30 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि पारेषण एवं वितरण कंपनी के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता के नियमित पद पर कार्यरत कार्मिकों की सहायक अभियंता-प्रशिक्षु (पारेषण में 08 एवं वितरण में 33) के कुल 41 पदों पर सीमित विभागीय परीक्षा हेतु परिपत्र जारी किया गया है। परिपत्र एवं आवेदन का प्रारूप छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी लिमिटेड की अधिकारिक विभागीय वेबसाइट ऊर्जानेट (Urjainet) पर उपलब्ध है।

परिपत्र की शर्तों के अनुसार आवेदनकर्ता कनिष्ठ अभियंता (पारेषण एवं वितरण) को यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई.से मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान से न्यूनतम इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन ब्रांच में चार वर्षीय बी.ई./बी.टेक./बी.एससी. (इंजीनियरिंग) का योग्यताधारी होना चाहिए।

इसके अतिरिक्त 30 अगस्त 2024 की स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को छोड़कर नियमितीकरण के दिनांक से कनिष्ठ अभियंता (पारेषण-वितरण) के पद पर न्यूनतम पॉच वर्षों की नियमित अर्हकारी सेवा पूर्ण होना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के इच्छुक कनिष्ठ अभियंता (पारेषण एवं वितरण) परिपत्र की विस्तृत शर्तों का अवलोकन कर निर्धारित दिनांक तक अपने नियंत्रणकर्ता कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

एसईसीएल द्वारा सिपेट कोरबा में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को मिला रोजगार

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), कोरबा, रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने वाला उत्कृष्ट संस्थान हैं। सिपेट में कौशल विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत भिन्न-भिन्न अल्पकालीन रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

वर्तमान में सिपेट कोरबा में एसईसीएल द्वारा प्रायोजित सीएसआर योजनान्तर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसमें मशीन ऑपरेटर प्लास्टिक प्रोसेसिंग (MO-PP) कोर्स मंज एसईसीएल द्वारा प्रायोजित छ:माही प्रशिक्षण सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, जिसका समापन समारोह कार्यक्रम दिनांक22.08.2024 को आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री बिनोद सिंह, प्रबंधक (कार्मिक/कॉर्पोरेट) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती किरण डहांगा उप प्रबंधक (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रशिक्षणोपरांत सिपेट, कोरबा द्वारा कोरबा से उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा की व भविष्य में शिक्षा के अवसर और व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित किया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता से अवगत कराया। साथ ही साथ विशिष्ट अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का भारत के विकास व समाज कल्याण में भूमि का पर प्रकाश डाला था। रोजगार हेतु मिले अवसर का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। समारोह में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा एसईसीएल एवं सिपेट का आभार व्यक्त किया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 36 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा सभी 36 प्रशिक्षणार्थियों को पुणे स्थित कंपनी-फोरफ्रंट प्राइवेट लिमिटेड, पुणे तथा अजय इन्डस्ट्री अलकार पोरेशन लिमिटेड पुणे में प्लेसमेंट कराया गया हैं। उक्त कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा कोर्स पूर्णता प्रमाण पत्र तथा संबधित कंपनी का ऑफर लेटर प्रदान किया गया। सिपेट, कोरबा के श्री राजीव कुमार लिल्हारे, प्रबंधक (तकनीकी) ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित किया। प्रशिक्षण के सफलात पूर्वक समापन कार्यक्रम में श्री वरुण गुप्ता, श्री सुनील सिंह, श्री ऋषिकेश भांजा, श्री संजय कुमार बधुक, श्री रजनीश पांडेय एवं सिपेट कोरबा के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैट्स यूनिवर्सिटी में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 23 अगस्त 2024 को मैट्स यूनिवर्सिटी ने पोस्ट ग्रेजुएशन के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आरंभ 2024 का आयोजन यूनिवर्सिटी कैंपस रायपुर में आयोजित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के सभी विभागाध्यक्ष ने पोस्ट ग्रेजुएशन के विद्यार्थियों को मैट्स यूनिवर्सिटी में उनके करियर और विभिन्न अवसरों के बारे में बताया। कार्यक्रम में कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया, कुलपति डॉ. के.पी.यादव, महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया, प्रो वाइस चांसलर डॉ. दीपिका दंड, रजिस्ट्रार श्री गोकुलनंद पांडा ने छात्रों को आशीर्वाद दिया और अपने भाषणों से उन्हें अनुग्रहित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मैट्स यूनिवर्सिटी के विभिन्न गतिविधियो के बारे में जानकारी दी गई कार्यक्रम में विभागों के अनेक विद्यार्थी एवं सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम समापन पर ग्रुप फोटो सेशन एवं शैक्षणिक डीन के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

एएम/एनएस इंडिया की पहल : 32 टॉपर छात्रों को साइकिल वितरण कर बढ़ाया उत्साह

एएम/एनएस इंडिया की ज्ञान ज्योति टॉपर्स अवार्ड पहल के तहत टॉपर छात्रों को मिली साइकिलें

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। एएम/एनएस इंडिया के सीएसआर पहल ज्ञान ज्योति टॉपर्स अवार्ड के तहत, पालनार में हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल और मिडिल स्कूल के 32 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को साइकिल का वितरण किया गया।

इन छात्रों को बाइसिकल एससी/एसटी दंतेवाड़ा के महासचिव, सरपंच पालनार, ब्लॉक सदस्य, अध्यक्ष एसएमसी, समेली और जनरल मेनेजर-एएम/एनएस इंडिया किरंदुल, बीआरसी कुआकोंडा, सीएससी अधिकारियों, छात्रों और उनके अभिभावकों की उपस्थिति में उच्च माध्यमिक विद्यालय पालनार में प्रदान किया गया। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी की पहल ज्ञान ज्योति टॉपर्स अवॉर्ड का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रोत्साहित कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है, जिससे उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सके। कम्पनी अपने निरन्तर प्रयासों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रही है।

29 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन 29 अगस्त को बीजापुर जिले के समस्त विकासखण्डों के शासकीय-अशासकीय शिक्षा संस्थानों, अनुदान प्राप्त शिक्षा संस्थानों, निजी शिक्षा संस्थानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, महाविद्यालयों, मदरसों तथा तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में किया जाएगा। जहां 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के समस्त छात्र-छात्राओं एवं शाला त्यागी किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल का सेवन कराया जायेगा, ताकि छात्र-छात्राओं एवं शालात्यागी किशोर-किशोरियों का स्वास्थ्य, पोषण एवं रक्तअल्पता की स्तर में कमियों को दूर किया जा सके।

सड़क दुर्घटना में टिकरापारा टीआई सहित सात पुलिसकर्मी घायल

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में पुलिस वाहन के एक्सीडेंट होने की खबर है। दुर्घटना में राजधानी के टिकरापारा थाना के टीआई सहित सात अन्य लोग हादसे शिकार हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा थाना के टीआई मनोज साहू की ड्यूटी शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर लगी थी जहां से वे शाम को ड्यूटी कर अपने स्टॉफ के साथ अपनी स्कार्पियों वाहन से लौट रहे थे इसी दौरान वाहन चालक ने सामने जा रही पिकअप वाहन को ओव्हर टेक करने का प्रयास किया और सामने से आ रही दूसरे वाहन से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में जहां पुलिस वाहन के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वहीं वाहन सवार टीआई मनोज साहू सहित अन्य पुलिस कर्मी घायल हो गये।

कला एवं मानविकी संकाय के विद्यार्थियों ने किया छत्तीसगढ़ विधानसभा का शैक्षिक भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय विश्वविद्यालय के कला एवं मानविकी संकाय के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को विधायिका की कार्यप्रणाली और इसके महत्व से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन, पुस्तकालय, समिति कक्ष और सेंट्रल हॉल का दौरा किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुस्तकालय संचालक श्री मनीष कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को विधानसभा की संरचना, कार्यप्रणाली और विधायिका के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। साथ ही छत्तीसगढ़ विधानसभा के अवर सचिव श्री जी. शेषगिरी राव ने भी विद्यार्थियों को विधायिका प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की।

कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ. रूपाली चौधरी ने कहा कि इस तरह के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें व्यावहारिक अनुभव भी देते हैं, जो उनके अकादमिक और व्यक्तिगत विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. नैना तिवारी ने इस शैक्षिक भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया और कहा कि इससे उनकी राजनीतिक और सामाजिक समझ में वृद्धि होगी। भ्रमण के दौरान कला एवं मानविकी विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानेश कुमार, डॉ. दीप्ति वर्मा, श्री विनोद सावंत, श्रीमती रेशमा सिंह, डॉ. यंजना और सुश्री अंकिता मिश्रा भी उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354